

शारदीय नवरात्र

तीसरा दिन: मां चंद्रघंटा

पिण्डप्रद्वाररूढा षण्डकोपास्रकेयुता।  
प्रसादं तनुते महं चंद्रघण्टति विश्रुता॥  
तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र घंटे के आकार में सुशोभित होने के कारण उन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। मां का यह स्वरूप साहस, पराक्रम और शक्ति का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उनकी पूजा से भय दूर करने और आत्मविश्वास बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

हथियार के साथ टीएसपीसी का सदस्य गिरफ्तार

चतरा। चतरा-सिमरिया मुख्य मार्ग पर साईं नाथ लाइन होटल के पास से पुलिस ने हथियार और कारतूस के साथ टीएसपीसी के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान लातेहार जिले के बालुमाथ थाना क्षेत्र के मुरपा गांव के भगिया बरवा टोली निवासी मुकेश गंडू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक देशी कट्टा, 54 जिंदा कारतूस, छह मिसफायर कारतूस और दो खोखे बरामद किए हैं। चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिमेष नैथानी ने सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 11 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि साईं नाथ लाइन होटल के पास एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए एनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सन्नी वर्धन के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। एसपी ने बताया कि छापेमारी टीम सूचना के आधार पर चतरा-सिमरिया मुख्य मार्ग स्थित साईं नाथ लाइन होटल के पास पहुंची। पुलिस उसके देखते ही वहां मौजूद एक व्यक्ति जंगल की ओर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपित की निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखे गए कारतूस भी बरामद किए गए।

# जेपीएससी की तीन परीक्षाओं की नियुक्ति रद्द करने के मामले में हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

11वीं से 13वीं सिविल सेवा, सीडीपीओ और फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्ति रद्द करने को दी गई है चुनौती

बिमा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की नियुक्तियां रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हो गई। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने प्रार्थियों और राज्य सरकार को गुरुवार तक संक्षिप्त



लिखित नोट दाखिल करने का समय दिया है। अंतिम बहस के दौरान अदालत ने कहा कि नियुक्ति परीक्षाएं रद्द करने के मामले में उच्चतम न्यायालय का आदेश स्पष्ट है। अब यह विचार किया जाएगा कि परीक्षा में कथित

अनियमितताओं के लिए दोषी और निर्दोष अभ्यर्थियों को अलग-अलग किया जा सकता है या पूरी चयन प्रक्रिया इस हद तक प्रभावित हुई है कि ऐसा करना संभव नहीं है। प्रार्थियों, हस्तक्षेपकर्ताओं और राज्य सरकार ने अपना-अपना पक्ष रख

दिया है। अदालत अब तथ्यों का विश्लेषण कर आदेश पारित करेगी। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अधिवक्ता अमृतांशु वत्स ने दलील दी कि 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा, सीडीपीओ और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की परीक्षाएं आयोजित कराने वाली एजेंसी टीडीपीएल को अनियमितता में शामिल साबित किए बिना पूरी चयन प्रक्रिया रद्द करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि एजेंसी की भूमिका की जांच अभी जारी है और उसे अनियमितता की साजिश में शामिल मानना जांच का विषय है।

कि नियुक्तियां हो जाने के बाद उन्हें रद्द करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। सामूहिक रूप से अधिसूचना जारी कर सभी सफल अभ्यर्थियों की नियुक्तियां रद्द नहीं की जा सकती। हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने आरोप लगाया कि 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा और सीडीपीओ परीक्षा में शामिल एजेंसी टीडीपीएल ने कथित तौर पर 50-50 लाख रुपये लेकर कई अभ्यर्थियों को पास कराया। राज्य सरकार की ओर से वरिय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा और महाधिवक्ता रोहित राय ने अदालत को बताया कि परीक्षाओं में

अनियमितताओं के संकेत कई बिंदुओं से मिले हैं। सरकार के अनुसार, इसके समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य और दस्तावेज मौजूद हैं। सीआईडी की जांच के दौरान कई गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच में परीक्षा में पेसे के लेनदेन से जुड़े तथ्य सामने आए हैं। सरकार की ओर से अदालत में सीलबंद रिपोर्ट भी पेश की गई। पिछली सुनवाई में जेपीएससी की ओर से कहा गया था कि परीक्षाओं में सुनियोजित तरीके से अनियमितताएं हुईं और चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हुई। आयोग ने दलील दी थी कि जांच में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आने के बाद यह

पता लगाना मुश्किल है कि चयनित अभ्यर्थियों में कौन दोषी है और कौन निर्दोष। ऐसे में सरकार को नियुक्तियां रद्द करने का अधिकार है। याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार के उन फैसलों को चुनौती दी है, जिनके तहत सिविल सेवा परीक्षा-2023 (विज्ञापन संख्या 01/2024), खाद्य सुरक्षा अधिकारी भर्ती (विज्ञापन संख्या 18/2023) और सीडीपीओ भर्ती (विज्ञापन संख्या 21/2023) की नियुक्तियां रद्द की गई हैं। सोमवार को सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने इन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

# इंडिया गटबंधन का 'वोट चोरी' के खिलाफ विशाल मार्च, सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (वार्ता) इंडिया गटबंधन के नेताओं ने 'वोट चोरी' और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सोमवार को यहां बाराखंबा रोड से उच्चतम न्यायालय तक विशाल मार्च निकाला और शाम को शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे ने उच्चतम न्यायालय पहुंचने के बाद कहा कि याचिका दाखिल कर दी गयी है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी वकीलों की टीम के साथ मार्च में शामिल होने के बाद उच्चतम न्यायालय याचिका दायर कराने पहुंचे। उनके साथ इंडिया गटबंधन के सांसद और वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका दाखिल कराई है। याचिका में राहुल गांधी सहित 11 लोगों के नाम शामिल हैं। विपक्षी गटबंधन ने निर्वाचन आयोग के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संघू तथा विवेक जोशी को भी पक्षकार बनाया है। याचिका में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और



मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर न्यायिक हस्तक्षेप करने तथा एसआईआर से जुड़े चुनाव आयोग के फैसलों की फाइलें, बैठक के कार्यवृत्त और अन्य दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की गयी है। याचिका में बिना नोटिस और सुनवाई के किसी मतदाता का नाम नहीं हटाने, हटायें गये मतदाताओं की बूथवार सूची और नाम हटाने के कारण प्रकाशित करने, मतदाता सूची में बदलावों की स्वतंत्र जांच कराने तथा एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। इंडिया गटबंधन की मांगों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की

प्रक्रिया पर रोक लगाना, मतदाता सूची से कथित तौर पर गलत तरीके से हटायें गये नामों के मामले में उच्चतम न्यायालय का हस्तक्षेप करना और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है। गटबंधन का कहना है कि मताधिकार की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाये रखने के लिए इन मुद्दों पर न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी है। इंडिया गटबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाये और उन्हें पद से हटाने की मांग की। मार्च में बड़ी संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने 'वोट चोरो' को सत्ता की गद्दी छोड़ने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अनियमितताओं से पात्र मतदाताओं के अधिकार

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा, कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस नेता सचिन पायलट, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू, हिमाचल प्रदेश सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेन्द्र यादव, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता महुआ माझी तथा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोहना सहित विपक्षी दलों के कई नेता शामिल हुए। मार्च के दौरान विपक्षी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाये और उन्हें पद से हटाने की मांग की। मार्च में बड़ी संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने 'वोट चोरो' को सत्ता की गद्दी छोड़ने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अनियमितताओं से पात्र मतदाताओं के अधिकार

प्रभावित हो सकते हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र तभी बचेगा, जब भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाया जाएगा। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि देश की जनता उन्हें कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट हुए हैं और अब उन्हें सजा देने का समय आ गया है। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि यह शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता महुआ माझी तथा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोहना सहित विपक्षी दलों के कई नेता शामिल हुए। मार्च के दौरान विपक्षी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाये और उन्हें पद से हटाने की मांग की। मार्च में बड़ी संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने 'वोट चोरो' को सत्ता की गद्दी छोड़ने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अनियमितताओं से पात्र मतदाताओं के अधिकार

## चुट्टपालू घाटी में पिता और बेटे-बहु की मौत, दो गंभीर

बिमा संवाददाता

रामगढ़। जिंदगी भर मेहनत कर जिस बेटे को इंजीनियर बनाया। बड़े धूमधाम से इंजीनियर बहु को घर लाए। दशहरे में बेंगलुरु से बेटे बहु खुशियां बांटने हजारीबाग आ रहे थे। चक्रवर्ती परिवार खुशी से झूम रहा था। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि चुट्टपालू घाटी उनके परिवार की खुशियों को गिगलने वाला है। जिस बेटे और बहु को घर लाने के लिए माता-पिता रांची निकले थे, किसे पता था कि घर लौटने का उनका सफर जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा। रविवार की रात चुट्टपालू घाटी में हुए भीषण सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को पलभर में उजाड़ दिया। कंटेनर की टक्कर से बलेनो कार सवार पिता, बेटे और बहु की मौत हो गई, जबकि मां और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हृदयविदारक घटना से हर किसी की आंखें नम हैं। हजारीबाग शहर के मिशन स्कूल रोड स्थित सैंडवेल नर्सिंग होम के समीप रहने वाले 70 वर्षीय प्रिमांशु चक्रवर्ती भारतीय स्टेट बैंक



बिमा संवाददाता

(एसबीआई) से सेवानिवृत्त थे। रविवार को वह अपनी 60 वर्षीय पत्नी रीना चक्रवर्ती के साथ बेंगलुरु से आए अपने 35 वर्षीय बेटे प्रियांशु चक्रवर्ती और बहु प्रोनाई चक्रवर्ती (32) को लेने रांची गए थे। परिवार को साथ लेकर हजारीबाग लौटते समय चुट्टपालू घाटी में उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। रामगढ़-रांची लेन पर एक कंटेनर ने उनकी बलेनो कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिता, बेटे और बहु की जान चली गई। पत्नी रीना चक्रवर्ती और कार चालक राजू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिस घर में बेटे-बहु के आने से खुशियां लौटने वाली थीं, वहां अब मातम पसरता है। यह हादसा केवल तीन जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि एक परिवार के सपनों और खुशियों का भी बिखर जाना है। बेटे-बहु को घर लाने निकले पिता का अपने परिवार के साथ लौटने का सपना चुट्टपालू घाटी में हमेशा के लिए टूट गया। हादसे की खबर ने हजारीबाग में शोक की लहर पैदा कर दी।

# नौसेना में शामिल हुआ एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'मंगरोल'

एजेंसी

नई दिल्ली। कोचि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निर्मित तीसरा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'मंगरोल' आज औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बन गया। मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में इंडक्शन सेरेमनी में कमीशन किया गया यह जहाज भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमताओं को मजबूत करेगा, जहां तटीय पानी में बड़े वॉरशिप को ऑपरेशनल दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके शामिल होने से नौसेना की पोर्ट, हॉबर और तटीय रास्तों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ने के साथ ही बड़े प्लोट ऑपरेशन में भी मदद मिलेगी। मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में इस



सेरेमनी की अध्यक्षता वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने की। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नौसेना और रक्षा अधिकारी, रक्षा मंत्रालय और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि और देसी हथियार और सेंसर बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। गुजरात के जूनागढ़ जिले के एक तटीय शहर और प्रमुख मछली पकड़ने के बंदरगाह मंगरोल के नाम पर

निर्मित यह जहाज पूर्ववर्ती आईएनएस मंग्रोल (एम-85) की विरासत को आगे बढ़ाता है। जहाज के नामकरण से नौसेना ने अपने पूर्व युद्धपोतों की विरासत को संरक्षित करने की परंपरा को जारी रखी है। इस पूर्ववर्ती जहाज ने 07 अप्रैल 2004 तक भारतीय नौसेना की सेवा की थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से बना मंगरोल युद्धपोत डिजाइन, कंस्ट्रक्शन और एडवॉर्ड हथियारों और सेंसर के

इंटीग्रेसन में भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है। सरकार के 'भेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत 80 फीसदी स्वदेशी सामग्री से निर्मित यह जहाज, डिफेंस शिपबिल्डिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। तटीय और उथले पानी में पानी के नीचे के खतरों का पता लगाने और उनका मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया मंगरोल मॉडर्न हथियारों और सेंसर से लैस है, जिसमें अभय हल-माउंटेड सोनार, हल्के टॉरपीडो, एक स्वदेशी एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर और मारीच एडवॉर्ड टॉरपीडो डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के मुताबिक आईएनएस मंगरोल में एडवॉर्ड सोनार, टॉरपीडो और एक्सडब्ल्यू रॉकेट लगे हैं, ताकि

# 4000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए धुर्वा थाना पुलिस ने 4000 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से कुल 338.96 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाइल फोन, 9100 रुपये नकद, दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि स्मार्ट सिटी के पास सीएनजी पेट्रोल पंप के नजदीक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर हटिया के वरीय पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया



गया। पुलिस टीम उक्त स्थान पर पहुंची। वहां पांच से छह युवक

संदिग्ध हालत में खड़े थे और पुलिस को देखते ही सभी भागने

लगे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने पीछा कर चार युवकों को पकड़

लिया, तलाशी के दौरान उनके पास से ब्राउन शुगर सहित अन्य सामान बरामद किए गए। गिरफ्तार युवकों की पहचान अभिषेक तिवारी, शुभम कुमार उर्फ राजा, अंकित तिवारी और रितिक राज के रूप में की है। अभिषेक तिवारी, शुभम कुमार उर्फ राजा और अंकित तिवारी का वर्तमान पता रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित एकता नगर बताया गया है। पुलिस के अनुसार, इन तीनों का स्थायी पता बिहार के सिवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के अरुवा गांव में है। वहीं, रितिक राज धुर्वा थाना क्षेत्र के सिठियो रोड स्थित पटेल कॉलोनी का रहने वाला है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 4000 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की, जिसका वजन

338.96 ग्राम बताया गया है। इसके अलावा चार मोबाइल फोन, 9100 रुपये नकद, दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। बरामद मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर नशे के इस कारोबार से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार अंकित तिवारी का पहले से अपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में तीन मामले दर्ज हैं। इनमें तिलैया थाना, डोरंडा थाना और पुंदांग ओपी शामिल हैं।

## राधिका मैदान काली मंदिर में प्रतिष्ठा पूजा संपन्न



बिभा संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड के राधिका मैदान स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर में सोमवार को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूजा धूमधाम से संपन्न हुई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा और पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। यह पूजा स्वर्गीय प्रमोद कुमार साहू की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता साहू एवं उनके पुत्र-पुत्रवधू परिवार द्वारा आयोजित की गई थी। पंडित दिनेश बनर्जी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजा के दौरान हवन और आरती का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर काली मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे। समिति ने मंदिर के नवनिर्माण और साज-सज्जा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मंदिर के

प्रतिष्ठा के बाद स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धीरेंद्र प्रसाद साहू, रूपेश कुमार साहू, शाश्वत प्रसाद साहू, भागवत सोनार, जितेंद्र प्रसाद साव, संजीव कुमार भगत, प्रकाश अग्रवाल, सुशांत भगत, सुजीत सोनार, मनोज विश्वकर्मा, रमेश गोरई, सुमन अग्रवाल, ऋषिकेश सोनार, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, हरेंद्र गोरई, हेमंत सूत्रधर, शुभम चंद्र, संदीप सोनार समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजा के समापन के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस बार मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद प्रतिष्ठा पूजा होने से श्रद्धालुओं में और अधिक उत्साह है। समिति ने पूजा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## संक्षिप्त खबरें

### सुल्तान नगर क्लब को जन आंदोलन मंच ने सौंपी खेल सामग्री, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह



**इटकी(बिभा) :** इटकी प्रखंड के सुल्तान नगर में जन आंदोलन मंच झारखंड की ओर से सुल्तान नगर क्लब के खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री का वितरण किया गया। जान आंदोलन मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व पंचायत प्रत्याशी मुरतजा आलम के नेतृत्व में खिलाड़ियों को एक फुटबॉल, 12 जर्सी, चार बैडमिंटन रैकेट और एक बैडमिंटन नेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुरतजा आलम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है। जरूरत उन्हें उचित संसाधन, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। खेल युवाओं में अनुशासन, एकता और टीम भावना विकसित करने के साथ उनके भविष्य को बेहतर बनाने का माध्यम भी है। उन्होंने खिलाड़ियों को हससंभव सहयोग देने का भरपूर दिलाया। उन्होंने कहा कि सुल्तान नगर क्लब के खिलाड़ियों के लिए भवन निर्माण की दिशा में पहल की जाएगी। साथ ही सरकारी योजनाओं के माध्यम से खेल किट और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मुरतजा आलम ने कहा कि जन आंदोलन मंच झारखंड खेल और शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान तथा इटकी बाजार के सौंदर्यीकरण एवं विकास के लिए भी लगातार प्रयासरत है। खेल सामग्री मिलने पर क्लब के खिलाड़ियों और स्थानीय युवाओं ने खुशी जाहिर करते हुए मंच के प्रति आभार जताया। मौके पर कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष, अहमद अंसारी, पप्पू हाशमी, अब्दुल हफीज, जुबेर अंसारी और इश्तियाक अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### किडनी रोग से जूझ रहे एजाज अंसारी की मदद को आगे आए बबलू खान

**बेड़ो(बिभा) :** करांजी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बबलू खान ने किडनी की बीमारी से जूझ रहे करांजी निवासी एजाज अंसारी को आर्थिक सहयोग प्रदान कर इंसायनित और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश की। एजाज अंसारी का इन दिनों इलाज चल रहा है। बीमारी और इलाज के खर्च के कारण परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे मुश्किल समय में बबलू खान की पहल सराहनीय है। इस अवसर पर अंजुमन इस्लामिया करांजी के सदर शोएब अंसारी, वार्ड सदस्य जकीर अंसारी, अमीनउल अंसारी और बसीर अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक एकजुटता के महत्व पर जोर दिया गया। लोगों ने कहा कि बीमारी और आर्थिक संकट के समय जरूरतमंद परिवार का साथ देना मानवता, भाईचारे और आपसी सहयोग की सच्ची मिसाल है। बबलू खान की इस पहल से समाज के अन्य सक्षम लोगों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है। ऐसे सहयोग से न केवल मरीज और उसके परिवार का हौसला बढ़ता है, बल्कि समाज में आपसी सद्भाव और इंसायनित की भावना भी मजबूत होती है।

### तिलक पुस्तकालय हिंसा मामले में कांग्रेस ने की निष्पक्ष जांच की मांग



**जमशेदपुर(बिभा)।** बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय जिला कांग्रेस कार्यालय परिसर में हुई हिंसक घटना को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेट्री ने गहरी चिंता व्यक्त की। पार्टी ने जिला प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच करने, सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने तथा तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेट्री के महासचिव राकेश साहू ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि तिलक पुस्तकालय में हुई घटना बेहद निंदनीय है। हम प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा शांति, सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है। हम चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कांग्रेस कमेट्री का कहना है कि पार्टी की विचारधारा सत्य, अहिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। राजनीतिक विरोध लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है, लेकिन यह हमेशा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मर्यादा के भीतर होना चाहिए। जिला कांग्रेस कमेट्री ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच एवं सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा हो।

**बिभा संवाददाता**  
रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को विभिन्न दलों के कई नेताओं और नेत्रियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी की ओर से आयोजित मिलन समारोह में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में नए सदस्यों का स्वागत किया गया। इनमें सरायकेला, हजारीबाग, बोकारो और जमशेदपुर जिले के विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता तथा समाजसेवी शामिल हैं।

इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा में शामिल होने वाले कई नेता जनसंघ और भाजपा से जुड़े परिवारों की पृष्ठभूमि से आते हैं। ऐसे में वे नए सदस्य नहीं, बल्कि अपने परिवार में लौटकर आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इनके जुड़ने से संगठन मजबूत होगा और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। मरांडी ने कहा कि भाजपा का मूलमंत्र सेवा और अंत्योदय है।

### पूर्व मुखिया स्व. चंडी सिंह मुंडा के श्राद्धकर्म में शामिल हुए सुदेश



बुंङ्कु। आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो सोमवार को बुंङ्कु प्रखंड के एदेल्हातु गांव पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व मुखिया स्व. चंडी सिंह मुंडा के श्राद्धकर्म कार्यक्रम में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाँढस बंधाया और इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मौके पर संजय महतो, केशव चंद्र महतो, राजकिशोर कुशवाहा, संजय पाटनी सहित आजसू पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।



जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना पार्टी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि देशभर में चल रहे सेवा संकल्प अभियान से प्रेरित होकर लोग संगठन से जुड़ रहे हैं। झारखंड के वरिष्ठ नेता रहे समरेश सिंह की बहू परिदा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों, सिद्धांतों और राष्ट्रहित के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण को केंद्र में रखकर

पार्टी में शामिल हुए खगेन महतो ने कहा कि वह भाजपा और जनसंघ के नेता हिकीम चंद्र महतो के परिवार से आते हैं। इसलिए भाजपा उनके रग-रग में बसी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के झंडे के नीचे आकर उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है और वह जीवनभर संगठन के लिए काम करेंगे। झारखंड के वरिष्ठ नेता रहे समरेश सिंह की बहू परिदा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों, सिद्धांतों और राष्ट्रहित के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण को केंद्र में रखकर

### नवरात्रि पर रिलीज हुआ नया देवी गीत, पूर्व सीएम के प्रेस सलाहकार चंचल गोस्वामी ने गायिकी में रखा कदम



बिभा संवाददाता

**जमशेदपुर:** शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर जमशेदपुर से एक नया भक्ति गीत संगीत प्रेमियों के बीच गुंजने के लिए तैयार है। नवीनतम देवी गीत 'माँ का सजा है दरबार और मैया की चुनरी है लाल' के माध्यम से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के प्रेस सलाहकार चंचल गोस्वामी ने गायन के क्षेत्र में औपचारिक

पदार्पण किया है। इस भक्ति गीत को देश की एक प्रतिष्ठित संगीत कंपनी के आधिकारिक मंच पर भव्य रूप से रिलीज किया गया। नवरात्रि के पावन माहौल में भक्ति भाव से ओत-प्रोत यह गीत श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। तथा इसे खूब सराहना मिल रही है।

## विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सदर अस्पताल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. दीपक गिरी ने कहा कि आज के दौर में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में तनाव से जूझ रहा है, लेकिन एक सामान्य और बेहतर जीवन बनाए रखना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने मानसिक बीमारी के निम्नलिखित प्रमुख आरंभिक लक्षणों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि अक्सर दुखी रहना और अत्यधिक चिंता करना, एकाग्रता का अभाव,नींद से जुड़ी समस्याएं और बार-बार जल्दी गुस्सा आना, तनाव का सामना करने में असमर्थता और खुद की देखभाल न कर पाना,नशे का अत्यधिक उपयोग

करना शुरूआती लक्षण हैं। डॉ. गिरी ने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए कुछ बेहतरीन और व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि प्रकृति के सानिध्य में समय बिताना और समय का सदुपयोग करना, सकारात्मक सोच रखना तथा दोस्तों और प्रियजनों से खुलकर बात करना, संगीत सुनना, किताबें पढ़ना, योग व व्यायाम करना तनावमुक्त रहने के लिए खुलकर हँसना जैसे कार्य मानसिक रोग से बचाव के उपाय हैं। डॉ. दीपक गिरी ने विशेष रूप से पैरा लीगल वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक करें।

ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के स्तर की कमी के कारण लोग मानसिक बीमारियों को समझ नहीं पाते और समय पर चिकित्सक तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में वॉलंटियर्स की जिम्मेदारी है कि वे लोगों को बीमारी के बारे में बताएं, बेहतर जीवन जीने के टिप्स दें और जरूरत पड़ने पर उन्हें डॉक्टर से मिलने की सलाह दें। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि मानसिक बीमारी के मूल में कलंक की बहुत बड़ी भूमिका होती है। किसी व्यक्ति पर मानसिक बीमारी का ठप्पा लगाना या सामाजिक कलंक जोड़ना भेदभाव को जन्म देता है और जो स्थिति को और गंभीर बना देता है। इसके अलावा, किसी पर लगातार संदेह करना भी इस बीमारी को उग्र रूप दे सकता है। इन नकारात्मक कारकों से बचकर ही समाज को स्वस्थ और मानसिक रूप से सुखित बनाया जा सकता है।

### मारवाड़ी कॉलेज में दो दिवसीय युवा महोत्सव इन्द्रधनुष का आयोजन आज से

बिभा संवाददाता

रांची : मारवाड़ी महाविद्यालय, राँची में 13 एवं 14 अक्टूबर को दो दिवसीय युवा महोत्सव इन्द्रधनुष-2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों की रचनात्मक, कलात्मक और सांस्कृतिक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव को लेकर महाविद्यालय प्रशासन ने तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए समन्वयकों और निर्णायक मंडल का भी गठन किया गया है। महोत्सव के पहले दिन 13 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से साहित्यिक, नाट्य और ललित कला प्रतियोगिताओं की शुरुआत होगी। इसके तहत प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, भाषण, मूक अभिनय, लघु नाटिका, मिमिक्री और एकांकी नाटक का मंचन होगा। साथ ही ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी, पोस्टर निर्माण, चित्रकला, कोलाज, कार्टून मेकिंग, रंगोली, मेहंदी और क्ले मॉडलिंग जैसी रचनात्मक स्पर्धाएँ भी आयोजित की जाएँगी।

दूसरे दिन 14 अक्टूबर को संगीत और नृत्य विधाओं की धूम रहेगी। इसमें लोकनृत्य, जनजातीय नृत्य, भारतीय शास्त्रीय नृत्य के साथ-साथ शास्त्रीय गायन, वाद्य संगीत, सुगम संगीत, वेस्टर्न वोकल, समूहगान और लोकवाद्यवृन्द की प्रतियोगिताएँ होंगी। सभी कार्यक्रमों का आयोजन कलेज के स्वामी विवेकानन्द सभागार, जे.सी. बोस सभागार, एमबीए भवन और अन्य निर्धारित स्थलों पर होगा। प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए डॉ. शुभंकर आइच, डॉ. शाहीन परवीन, डॉ. शशि शेखर दास, डॉ. रीना माथुरी, डॉ. राजीव रंजन शर्मा, डॉ. सरिता कुमारी, डॉ. नूपुर सिन्हा, डॉ. अंजू पुष्पा बा और डॉ. बहालैन होरो को बतौर समन्वयक जिम्मेदारी सौंपी गई है। महोत्सव का औपचारिक समापन 14 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जहाँ विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।





# दो चचेरे भाइयों की मौत पर भड़का जनआक्रोश, बड़की चांपी के बाद शंख मोड़ भी जाम

बीकेबी में संचालित अज्ञात हाइवा की टक्कर से हादसा होने का गामीणों का आरोप, एक करोड़ रुपये मुआवजा, दोनों परिवारों से एक-एक सदस्य को नौकरी और भारी वाहनों के परिचालन पर रोक की मांग

**बिभा संवाददाता**  
लोहरदगा। रविवार शाम को लोहरदगा-चंदवा मुख्य पथ पर जरियो लोहा पुल के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। हादसे के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों ने पहले बड़की चांपी चौक पर सड़क जाम किया और इसके बाद शंख मोड़ पर भी सड़क जाम कर दिया। इससे क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि इड्ड में संचालित एक अज्ञात हाइवा ने दोनों युवकों को टक्कर मारी, जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। हालांकि, हादसे में शामिल वाहन की पहचान और घटना की परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। मृतकों की पहचान बजरंग मुंडा (22 वर्ष), पिता झुवा मुंडा, तथा जागेश्वर मुंडा



(लगभग 27 वर्ष), पिता स्वर्गीय बिन्धु मुंडा, के रूप में हुई है। दोनों आपस में चचेरे भाई थे। हादसे में एक युवक की मौत पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। अस्पताल ले जाने के क्रम में दूसरे युवक ने भी दम तोड़ दिया। इस घटना से दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक और

आक्रोश का माहौल है। बता दें कि हादसे के बाद रविवार रात आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया था। लेकिन कुछ थाना प्रभारी नीरज झा के आशवासन और आर्थिक सहायता मिलने के बाद उस समय जाम हटा लिया गया था। लेकिन पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार को ग्रामीण दोबारा सड़क पर उतर आए।

## संक्षिप्त खबरें

### हजारीबाग में बिना अनुमति विज्ञापन लगाने वालों पर नगर निगम सख्त

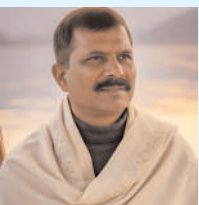
**हजारीबाग(बिभा)।** शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बिना अनुमति लगाए गए विज्ञापनों को लेकर हजारीबाग नगर निगम ने जांच अभियान चलाया। सोमवार को नगर निगम की टीम ने शहर में लगे पोल क्योस्क और अन्य विज्ञापनों की जांच की। इस दौरान विज्ञापनदाताओं को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि नगर निगम से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही सार्वजनिक स्थलों पर विज्ञापन लगाए जाएं। निगम की ओर से बताया गया कि बिना अनुमति बिजली के खंभों पर पोल क्योस्क लगाना, बैनर लगाना अथवा वाहनों के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना अवैध है। विज्ञापन लगाने से पहले नगर निगम से अनुमति लेना अनिवार्य है। सहायक नगर आयुक्त अनिल पांडेय की उपस्थिति में नगर निगम की टीम ने यह जांच की। अभियान के माध्यम से विज्ञापनदाताओं को नियमों के प्रति जागरूक करते हुए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की हिदायत दी गई, ताकि शहर में अनधिकृत विज्ञापनों पर रोक लगाई जा सके और सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था बनी रहे।

### हेरहंज में जेएसएलपीएस की वार्षिक आम बैठक आयोजित, महिलाओं के स्वावलंबन पर जोर

**लातेहार(बिभा):** हेरहंज प्रखंड में आजीविका महिला मंडल (जेएसएलपीएस) की वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लातेहार विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि नेहा साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। बैठक में विधायक प्रतिनिधि पवन साहू, अनिल सिंह, रंजीत पांडे, मनीष जायसवाल, गुड्डु जी, स्थानीय बैंक प्रबंधक, मुखिया, महिला मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नेहा साहू ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित इस योजना से महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। कई महिलाएं जेएसएलपीएस से जुड़कर अपनी आजीविका चला रही हैं और मात्र 5,000 रुपये से शुरूआत कर लाखों रुपये का स्वरोजगार खड़ा करने में सफल रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में क्षेत्र की और भी महिलाएं आगे आकर इस योजना का लाभ उठाएंगी तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। नेहा साहू ने आगे बताया कि क्षेत्रीय विधायक प्रकाश राम महिलाओं के स्वावलंबन को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। विधायक की पहल है कि अधिक से अधिक महिलाओं को इस विभाग और इसकी योजनाओं से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

### सूचना का अधिकार नागरिकों का सशक्त हथियार : रामेश्वर गोप

**रामगढ़(बिभा)।** सूचना का अधिकार दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण शिक्षा जागरण मंच के सचिव रामेश्वर गोप ने आम नागरिकों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार कानून लोकतंत्र को मजबूत बनाने, सरकारी कार्यों में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। रामेश्वर गोप ने कहा कि इस अधिनियम के तहत नागरिक सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक संस्थानों से विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों, सरकारी खर्चों और प्रशासनिक निर्णयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सामान्यतः सूचना उपलब्ध कराने के लिए 30 दिनों की समय-सीमा निर्धारित है। वहीं, जीवन एवं स्वतंत्रता से संबंधित मामलों में 48 घंटे के भीतर सूचना देने का प्रावधान है। आवेदन शुल्क सामान्यतः 10 रुपये है, जबकि गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के आवेदकों को नियमानुसार शुल्क से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में सूचना उपलब्ध नहीं कराने या बिना उचित कारण सूचना देने से इनकार करने पर संबंधित लोक सूचना अधिकारी के विरुद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसके अंतर्गत प्रतिदिन 250 रुपये की दर से अधिकतम 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। रामेश्वर गोप ने आम जनता, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए सूचना का अधिकार कानून का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि जब नागरिक जागरूक होंगे, तभी प्रशासन में जवाबदेही बढ़ेगी और एक पारदर्शी व्यवस्था का निर्माण संभव होगा।



पहले बड़की चांपी चौक पर जाम लगाया गया और बाद में शंख मोड़ पर भी सड़क जाम कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दो युवकों की मौत से उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है। ऐसे में पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और रोजगार उपलब्ध कराना आवश्यक है। ग्रामीणों ने दोनों मृतकों के परिवारों को कुल एक करोड़ रुपये मुआवजा देने तथा प्रत्येक परिवार से एक-एक सदस्य को नौकरी उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके साथ ही बड़की चांपी रोड पर हाइवा सहित भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग भी उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से इस मार्ग पर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से हादसे की निष्पक्ष जांच कराने, दुर्घटना

में शामिल वाहन की पहचान करने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने इड्ड और हिंदालको कंपनी से जुड़े स्थानीय रोजगार के मुद्दे भी उठाए। उनका कहना है कि क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को स्थानीय लोगों की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और योग्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करनी चाहिए। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों पर केवल आशवासन देने के बजाय ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। सड़क जाम और विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ अचल अधिकारी संतोष उरांव, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद, कुछ थाना प्रभारी नीरज झा, एसआई

सुजीत होरो, एस आई जेनी सुधा तिग्गा, सहित अन्य पुलिस जवान मौके पर मौजूद रहे। ग्रामीण जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों से वार्ता कर अपनी मांगों का समाधान चाहते हैं। उनका कहना है कि दोनों मृतकों के परिवारों को मुआवजा और नौकरी देने के साथ-साथ भारी वाहनों के परिचालन पर भी स्पष्ट निर्णय लिया जाना चाहिए। खबर लिखे जाने तक ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए थे। बड़की चांपी चौक के बाद शंख मोड़ पर भी सड़क जाम किए जाने से प्रशासन के सामने स्थिति को सामान्य करने और ग्रामीणों की मांगों पर समाधान निकालने की चुनौती बनी हुई थी। अब सभी की नजर जिला प्रशासन की पहल और ग्रामीणों के साथ होने वाली वार्ता पर टिकी है।

## दुर्गा पूजा को लेकर हजारीबाग पुलिस अलर्ट, एसपी ने किया पूजा पंडालों का औचक निरीक्षण

25 स्थानों पर लगेंगे ड्रॉपगेट व बैरियर, 8 जगहों पर होगी पार्किंग की व्यवस्था; सादे लिबास में तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

बिभा संवाददाता

**हजारीबाग :** दुर्गा पूजा के दौरान शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर हजारीबाग पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने शहरी थाना क्षेत्रों के साथ बड़कागांव थाना क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिस अधिकारियों और पूजा समिति के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने स्पष्ट किया कि दुर्गा पूजा के दौरान हुड़दंग करने वालों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए



रखने के लिए शहर में 25 स्थानों पर ड्रॉपगेट और बैरियर लगाए जाएंगे, जबकि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आठ स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पूजा पंडालों में सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। साथ ही सभी पूजा पंडालों और उनके आसपास

200 मीटर के दायरे में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा अग्निशमन यंत्र उपलब्ध रखने की अपील की गई है। भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और पुरुषों के आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते निर्धारित करने और पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

### सरस्वती विद्या मंदिर में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी मैया-बहनों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

**लातेहार।** सरस्वती विद्या मंदिर, धर्मपुर पथ, लातेहार में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लातेहार विधानसभा की विधायक प्रतिनिधि नेहा साहू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वर्दना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने मुख्य अतिथि नेहा साहू को अंगवस्त्र एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी, परीक्षा प्रमुख दीपक कुमार शर्मा सहित विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित रहे। अतिथि परिचय प्रियंका कुमारी ने कराया। मंच संचालन शिवानी कुमारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा सह-प्रमुख राकेश कुमार सिन्हा ने किया। अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम की घोषणा श्री रविकांत पाठक ने की। इसके



पश्चात विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों के नामों की घोषणा की गई तथा परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों से विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण रहा। प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना तथा उनमें प्रश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रगति की भावना विकसित करना था। परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है।

## नाबालिग हत्याकांड पर उबला दुमका, छात्रों ने अंबेडकर चौक किया जाम

बिभा संवाददाता

**दुमका :** जिला के काठीकुंड थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका से जुड़े मामले को लेकर दुमका जिला मुख्यालय में आक्रोश गहराता जा रहा है। घटना के विरोध में सोमवार को झारखंड छात्र सभा के बैनर तले सैकड़ों छात्र सड़क पर उतर आए, छात्रों ने एसपी कॉलेज मैदान से रैली निकाली और अंबेडकर चौक पहुंचकर सड़क जाम कर दिया. इससे आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा. आंदोलनकारी की मांग है कि घटना में शामिल आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और दोष सिद्ध होने पर उन्हें फांसी की सजा दी जाए. छात्रों का कहना है कि



पीड़िता को न्याय दिलाने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है. अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर अपना आक्रोश जाहिर किया. गौरतलब है कि शनिवार को काठीकुंड थाना क्षेत्र में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग किशोरी का शव बरामद हुआ था. बताया जाता है कि किशोरी गाय

लाने खेत गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी. बाद में उसका शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई गई थी. सूत्रों के हवाले से सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि होने की बात कही जा रही है. हालांकि, इस संबंध में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की आधिकारिक पुष्टि के आधार पर ही

स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. घटना के बाद से इलाके में आक्रोश है और लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. इस मामले को लेकर गैंगस्टर राहुल सिंह के नाम से छात्राओं को हथियार उठाने की अपील किए जाने की भी चर्चा है. कथित रिलीज में हथियार उपलब्ध कराने का भरोसा दिए जाने की बात कही जा रही है. हालांकि, इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है. नाबालिग किशोरी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों में भारी आक्रोश है. उनका कहना है कि मामले में त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके और लोगों का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बना रहे.

### प्रवासी मजदूरों को मिलेगा विस्थापन भता और दुर्घटना में दो लाख तक की सहायता, निबंधन अनिवार्य

बिभा संवाददाता

**लातेहार:** दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए झारखंड सरकार ने कई अहम प्रावधान किए हैं। इन प्रावधानों के तहत श्रमिकों को विस्थापन भत्ता, आने-जाने का किराया और यात्रा अवधि की मजदूरी देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कार्य पर ले जाने के लिए ठेकेदार या एजेंट के साथ करार होते ही मजदूरी देय होगी और ठेकेदारों के लिए श्रम विभाग से लाइसेंस लेना अनिवार्य रहेगा। दुर्घटना अथवा आपदा की स्थिति में पंजीकृत श्रमिक की मृत्यु या पूर्ण अशक्तता होने पर परिजनों को दो लाख रुपये तथा अपंजीकृत श्रमिक के आश्रितों को डेढ़ लाख रुपये की सहायता मिलेगी। एक अंग या अंग की क्षति होने पर पंजीकृत मजदूर को एक लाख और अपंजीकृत को 75 हजार रुपये दिए जाएंगे। सामान्य मृत्यु पर पार्थिव शरीर पैवक आवास लाने के लिए अधिकतम 50 हजार रुपये तक की प्रतिपूर्ति की



### मानसून खत्म होते ही विकास योजनाओं में लाएं तेजी, सड़कों के गहरे प्राथमिकता पर भरें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

**गुमला:** समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में तकनीकी विभागों की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन के अलावा पेयजल एवं स्वच्छता, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन, लघु सिंचाई, जलपथ, पथ निर्माण, विद्युत आपूर्ति और जिला परिषद के कार्यपालक व तकनीकी अभियंता मौजूद रहे। उपायुक्त ने जिले में चल रही विभिन्न विकास एवं निर्माण योजनाओं की बिंदुवार प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि मानसून समाप्त हो चुका है, ऐसे में मौसम की अनुकूलता का लाभ उठाते हुए स्के हुए सभी निर्माण कार्यों को तत्काल गति प्रदान की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित की योजनाओं में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगामी त्योहारों को देखते हुए आम जनता की सुविधा और सुगम यातायात के लिए उन्होंने

घाघरा रोड सहित जिले की सभी प्रमुख सड़कों के गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर अक्लिंब भरने का आदेश दिया। साथ ही डीएसपी रोड किनारे नाली निर्माण की अड़चनों को दूर कर निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने को कहा, ताकि जलजमाव की समस्या दूर हो सके। बैठक में सरकारी कर्मचारियों के जर्जर आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार के लिए भवन मंडल को तत्काल डीपीआर (उद्घफ) तैयार करने का निर्देश दिया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम बनाने के लिए ग्रामीण कार्य विभाग को क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों का स्थलीय निरीक्षण कर मरम्मत व पुर्निर्माण कराने को कहा गया। सिंचाई सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कतरी जलाशय की आवश्यक मरम्मत, सफाई और पानी को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए अक्लिंब डीपीआर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अभियंताओं को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ तब समय-सीमा व गुणवत्ता का पालन करने की हिदायत दी।

## अग्रवाल महिला मंडल का सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा बेमिसाल, बच्चों की प्रतिभा और महिलाओं की मेहनत ने मोहा सबका मन

बिभा संवाददाता

**हजारीबाग :** महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम इस वर्ष बेहद शानदार, भव्य और यादगार रहा। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शानदार सफलता के पीछे बच्चों की लगातार मेहनत, संयोजकों का समर्पण और अग्रवाल महिला मंडल की पूरी टीम का सामूहिक प्रयास रहा। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष शोभा मुनका ने इस वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार का कार्यक्रम बेमिसाल रहा। बच्चों ने पिछले 20 दिनों से लगातार अभ्यास किया था। स्कूल की पढ़ाई और टास्क की जिम्मेदारियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी करना बच्चों के लिए आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने पूरे उत्साह और लगन के साथ अभ्यास किया



और मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी संयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संयोजकों ने पूरी लगन, मेहनत और जिम्मेदारियों के साथ अपना कार्य किया। घर की जिम्मेदारियां संभालना, बच्चों की देखभाल करना और इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी करना बच्चों के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम को समाज के सभी लोगों

का भरपूर सहयोग मिला। समाज के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, जयंती संयोजक, समाज के मीडिया प्रभारी सहित सभी सहयोगियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी पूरी टीम की सहयोग करते हुए कहा कि अग्रवाल महिला मंडल की सदस्यों ने उनके साथ कदम से कदम मिलाकर काम किया और हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाया। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता के पीछे पूरी टीम की मेहनत, आपसी तालमेल और एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना होती है। इस वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम में यह सामूहिक भावना स्पष्ट रूप से

### गुमला-सिसई में मिलावटखोरों पर चला प्रशासन का डंडा, दुर्गा पूजा से पहले ताबड़तोड़ छापेमारी

बिभा संवाददाता

**गुमला:** दुर्गा पूजा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरी और अमानक खाद्य सामग्रियों के खिलाफ गुमला और सिसई में विशेष अभियान चलाया है। त्योहारी सीजन में आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ रोकने के उद्देश्य से की गई इस कार्रवाई से स्थानीय व्यापारियों और मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। अभियान की शुरूआत सिसई के बी.एन. जालान कॉलेज स्थित एनसीसी कैंप से हुई, जहां 300 से अधिक केडेट्स को दूध में स्टार्च, ताजे-खराब अंडों की पहचान और हार्डट राइट इंडियाहू के तहत जागरूक किया गया। इसके तुरंत बाद प्रशासनिक टीम ने थाना रोड स्थित कई प्रमुख दुकानों और जेएसएफसी गोदाम में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चायपत्ती, अचार, मसाला, मैदा और चावल के नमूने सील कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रांच प्रयोगशाला भेजे गए। जांच के दौरान सड़क किनारे ठेलों पर बिकने वाले छोले में सिंथेटिक (औद्योगिक) रंग की पुष्टि होने पर उसे मौके पर ही नष्ट कराया गया और विक्रेताओं पर जुर्माने की प्रक्रिया शुक्र की गई। अधिकारियों ने सख्त चेतावनी दी है कि जांच रिपोर्ट में मिलावट मिलने पर एफएसएसआई के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी और यह अभियान त्योहार के बाद भी लगातार जारी रहेगा।

# परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां



इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्देन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरानी कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के

लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर फ्यूचर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लोक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रही, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।यह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश

की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लोक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संविधान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव को दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्ष को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थानों, राजनैतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियों को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करंगी, बल्कि संघर्ष की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है।इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निर्माता भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उस आगे बढ़ने के पथों पर अवसर देगा?

## संपादकीय

### सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को काँकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांति पूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लेगे तो क्या यह आम लोगों को ढंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निषधज्ञा ज्ञाने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए।

### चिंतन-मनन

### सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय संमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे, किंतु उस विप्लवक-विशाल प्रयोग के निष्पक्ष ज्ञाने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चरच्यूह में फंसेकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोदियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन प्लमि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?



कतिलाल मांडोट

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मर्यादों और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्यारह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। काँकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

काँकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गम कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक

जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है। रिहाई के बाद काँकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर लिखा कि काँकरोच कभी नहीं मरे। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता की निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तत्परकर बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनियमितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्थन जताने का अर्थ यह

नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पूछे जाए। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुरूप नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेवारी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है। दिल्ली में बीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की हिरासत ने भी प्रशासन की भूमिका पर कांच बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सरकार की आलोचना मात्र को अपराध का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अनिश्चितता तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

इस विवाद का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया, जब अभिजीत दीपके की मां ने कहा कि यदि उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था। परिवार की इस पीड़ा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। कानून लागू करने वाली संस्थाओं को प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और आवश्यक मानवीय परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, हिरासत से जुड़े निर्णयों की वैधता का मूल्यांकन तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए। राजनीतिक आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश, युवाओं को पैसे देकर प्रदर्शन में लाने या सरकार को अस्थिर करने जैसे आरोप भी सार्वजनिक विमर्श में सामने आते रहते हैं। लेकिन ऐसे गंभीर आरोपों को प्रमाण के बिना स्वीकार करना उचित नहीं है। यदि किसी के पास धन के बखले भीड़ जुटाने, हिंसा भड़काने या विदेशी हस्तक्षेप के ठोस प्रमाण हैं, तो उन्हें जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बिना प्रमाण पूरे आंदोलन या उसमें शामिल प्रत्येक युवा को किसी षड्यंत्र का हिस्सा बताना भी न्यायसंगत नहीं होगा। युवाओं को राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते वह शांतिपूर्ण और कानूनमत्त हो।

अंततः दिल्ली को यह घटनाक्रम सरकार, विपक्ष, पुलिस और प्रदर्शनकारियों सभी के लिए एक परीक्षा है। विश्व को अपनी बात रखने के लिए संवैधानिक रास्तों और प्रमाणों पर भरोसा करना चाहिए। सरकार तथा प्रशासन को आलोचना का उत्तर पारदर्शिता और जवाबदेही से देना चाहिए। पुलिस को कानून लागू करते समय निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने दायित्व भी याद रखने चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न सरकार को मनमानी की छूट है, न विश्व को कानून तोड़ने का अधिकार। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि असहमति को स्थान मिले, संस्थाओं की जवाबदेही बनी रहे और सार्वजनिक जीवन में कानून का शासन सर्वोपरि हो। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जोखिम

टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति को नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संप्रभुता से जुड़ जाती है। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है - बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी अर्थव्यक्ति ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पद बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंज पर रोज सफाई देना या उनके साथ बरस में उलझना। लेकिन यहाँ असली सवाल यह उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद जवाब नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है

कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और जरूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उटपटांग बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मांगे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मर्यादों के नाम पर चुपची साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पल्ला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय की इसी ढीलाई का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे। कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दौरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, किसी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं। अपनी सीमा में रहकर बात करना ही उनके और उनके बिजनेस के लिए अच्छा है। बिजनेस करने और किसी देश की राजनीति पर तंज कसने के

बीच एक दायरा होता है, और किसी भी धनकुबेर को वह दायरा लांघने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अमेरिका को भी यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के दम पर ही आगे बढ़ सकते हैं। कोई भी बिजनेसमैन कितना भी अमीर क्यों न हो, उसे किसी दूसरे देश के लोकतांत्रिक पदों का मजाक उड़ाने का हक नहीं मिल जाता। निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत को हर उकसावे और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएं, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई जिम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को अपनी इस सुस्ती को छोड़ना होगा और आगे आकर मस्क जैसे लोगों को साफ और कड़े शब्दों में समझाना होगा कि वे उद्योगपति हैं, तो उद्योगपति बनकर ही रहें। जब तक हमारा शासन तंत्र हर स्तर पर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक दुनिया के मंचों पर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



दिलीप कुमार पाठक

मस्क साहब, हद में रहिए! व्यापार करिए, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर राजनीति नहीं हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री पद पर तंज कसा। ऊपर से देखने में यह दो बड़े कारोबारियों के बीच की सामान्य बातचीत लग सकती है, लेकिन असल में यह भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद की गरिमा पर किया गया एक गैर-जिम्मेदाराना हमला है। जब विदेश का कोई बिजनेसमैन भारत के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की हल्की

## महंगे सीरम को कहें अलविदा, घर पर बनाएं असरदार विटामिन सी सीरम, मिलेगी दमकती त्वचा



अगर आप भी रोजाना रात में स्किन केयर करना नहीं भूलती हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्रयास करती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि महिलाएं अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्रोडक्ट्स फेस पर लगाती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन सी सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं।

अगर आप इस खास सीरम को लगाती हैं, तो इससे मार्केट के महंगे सीरम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आप कम पैसे में इस सीरम को बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर पर रहकर विटामिन सी सीरम कैसे बनाया जा सकता है।

### होममेड विटामिन सी सीरम

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप घर पर एक खास विटामिन सी सीरम तैयार करना चाहती हैं, तो आप कम पैसे में इसको बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका भी काफी आसान है और इसको बनाने के लिए कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी।

### सामग्री

गुलाब जल  
विटामिन सी पाउडर  
विटामिन ई कैप्सूल  
एलोवेरा जेल  
ग्लिसरीन

### ऐसे बनाएं विटामिन सी सीरम

आप घर पर आसानी से यह खास सीरम बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विटामिन सी पाउडर ले लें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन को डालकर अच्छे से मिलाएं कर लें। अब इसमें विटामिन सी कैप्सूल की कुछ बूंदें डालकर इस सीरम को अच्छे से मिलाएं कर लें। इस आसान तरीके से आपका होममेड सीरम बनकर तैयार हो गया है।

आप रोजाना रात में सोने से पहले इस सीरम को अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। आप 15 दिन तक इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो रोजाना रात में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर सप्ताह में 3-4 बार भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। आप जब भी इसको फेस पर अप्लाई करें, तो पहले साफ पानी से चेहरे को धो लें और फिर फेस के सूखने के बाद इस सीरम को फेस पर लगाएं। इसको आप फेस के साथ-साथ गर्दन पर भी लगा सकती हैं।

रेस्तरां स्टाइल में हम सभी टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं मिस्टेक जरूर हो जाती है। अपने खाने को टेस्टी बनाने के लिए छोटे-छोटे टिप्स एंड ट्रिक्स पर ध्यान देना काफी जरूरी है। घर में चाहे कितना भा टेस्टी खाना बना लें, लेकिन बच्चे फिर कभी निकाल देते हैं। ऐसे में हर महिलाओं को इन टिप्स का जरूर पता होना चाहिए। अगर आप मेवों की मदद से सब्जी में इस्तेमाल करके लाजवाब खाना बना सकते हैं। मेवे सब्जियों के स्वाद को दोगुना कर देते हैं। यह सब्जी में स्वाद तो बढ़ा ही देते हैं और यह काफी हेल्दी भी होती है। आइए आपको बताते हैं मेवे से सब्जी की क्रीम को गाढ़ा और क्रीमी से बनाएं।

### मेवे से सब्जी को गाढ़ा और क्रीमी कैसे बनाएं

– इसके लिए आप काजू या बादाम को गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब इसे पानी से निकालकर थोड़ा दूध या पानी डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। फिर आप इसे सब्जी की ग्रेवी में डालें। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी, क्रीमी और

## सर्दी-जुकाम से राहत के लिए अपनाएं दादी-नानी का नुस्खा, बेसन का शीरा देगा तुरंत आराम।

बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण खांसी-जुकाम की समस्याएं बन जाती हैं। यदि आपके बच्चे को मौसम के बदलने से सर्दी-जुकाम से परेशान हो गए हैं, तो इसे दवाओं की जगह आप एक बार बेसन का शीरा बनाकर जरूर पिलाएं। यह एक ट्रेडिशनल पंजाबी रेसिपी है, जो मौसम बदलने के बाद बच्चों की इम्युनिटी को बूस्ट करती है। बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बेसन शीरा स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए काफी बढ़िया है। इसके सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या जल्द ठीक हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाया जाता है टेस्टी और हेल्दी बेसन का शीरा।

### बेसन का शीरा बनाने के लिए सामग्री

– 3 बड़े चम्मच बेसन

- 1 बड़ा चम्मच देसी घी
- 2 छोटी चम्मच चीनी/गुड़
- डेढ़ कप दूध
- कुटी हुई इलायची
- 1/4 छोटी चम्मच अजवाइन
- कटे हुए बादाम
- कुटी हुई काली मिर्च
- हरा धनिया
- 1 चुटकी हल्दी

### बेसन का शीरा बनाने का तरीका

बेसन का शीरा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कड़ाही लें और गैस पर चढ़ाकर गर्म करें। अब इसमें घी डालें और बेसन को लो फ्लेम पर भूने जब तक इसका रंग हल्का भूरा ना हो जाए। बेसन को अच्छे से भून जाने के बाद इसमें खुशबू आने लगेगी।



## किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!

हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नेचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताजदी तो पहुंचता है लेकिन लंबे समय तक दांतों और मसूड़ों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नेचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही

फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।  
माउथवॉश बनाने की विधि  
सामग्री  
– 4-5 लौंग  
– 2 चक्र फूल  
– 1 दालचीनी का टुकड़ा  
– 1 कप पानी  
इसे बनाने का तरीका  
– सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।  
– फिर आप इसे 7-8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का

भूरा न लग जाए।  
– जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।  
– इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरूर करें।  
घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे  
– मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।  
– इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।  
– मसूड़ों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।  
– यह एक प्रकार से 100% प्राकृतिक और केमिकल-फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

## बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है। इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना

सकते हैं।

वास्तव में, पोहा उन आसान डिशों में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाते समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे-

### थोड़ा पानी छिड़कें



यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे विचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

### थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहें तो उसमें थोड़े राई के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताजा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

### आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़के, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें। गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।

### ठाकरे बंधुओं समेत 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे और 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। इस मामले में विधायक वरुण सरदेसाई, महेश सावंत, अनिल परब, सुनील प्रभु और मनसे नेता संदीप देशपांडे समेत कई पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। पुलिस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति प्रदर्शन किया और आम लोगों को परेशानी हुई। आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे पर प्रदर्शनकारियों को ले जा रही पुलिस वैन रोकने तथा सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप भी है। पुलिस ने संबंधित नेताओं को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजे हैं। इस घटनाक्रम के बाद आदित्य ठाकरे ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता की साड़ी फट गई। आदित्य ने मुंबई के लोगों से शिवाजी पार्क पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त झानेश कुमार के इस्तीफे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

### आसमानी बिजली गिरने से युवक की मौत, दो घायल

माधोपुर/पटानकोट (एजेंसी)। पंजाब के पटानकोट जिले में माधोपुर-शाहपुरकडी सड़क पर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास खेतों में काम कर रहे मजदूरों पर आसमानी बिजली गिरने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा देर शाम हुआ। जानकारी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों से आए मजदूर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आसमानी बिजली गिरने से तीन युवक उसकी चपेट में आ गए। हादसे में विशाल (21) की मौके पर ही मौत हो गई। वह उत्तर प्रदेश के उरई जिले के अवधाना का निवासी था। घायलों की पहचान जितेंद्र उर्फ जितन (19), निवासी शाहपुरकडी, और गगन (17), निवासी जुगियाल कॉलोनी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मजदूरों में शोक का माहौल है।

### कांग्रेस सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बांसुरी स्वराज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में विपक्ष के मार्च के बीच भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाकर कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने सांसद पर लगे कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देकर राहुल गांधी और कांग्रेस के महिला अधिकारों से जुड़े बयानों पर सवाल खड़े किए। बीजेपी सांसद स्वराज ने कहा कि कांग्रेस ‘लड़की हूं, लड़ सकती हूं’ जैसे कैपेन चलाती है, लेकिन जेएनयू के 11 छात्रों की शिकायतों पर पार्टी की ओर से अभी तक आवाज नहीं उठाई गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या छात्रों की आवाज कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की पितृसत्ता को नष्ट करो’ संबंधी टिप्पणी का जिक्र कर कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात केवल नारों और सोशल मीडिया हैशटैग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब जवाबदेही की बात आती है, तब कांग्रेस का रुवैया अलग दिखाता है। भाजपा सांसद स्वराज ने दावा किया कि वर्ष 2024 में 11 छात्रों ने कांग्रेस नेता अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम (पॉश) के तहत आंतरिक समिति गठित की गई थी। उन्होंने अकोइजाम के खिलाफ विश्वविद्यालय की कार्रवाई का भी उल्लेख किया। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

### मेरा बाप सब संभाल लेगा कहकर कुचल दिये तीन छात्र, मौत

कोच्चि (एजेंसी)। केरल के नेदुंबसेरी में हुए एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे ने न सिर्फ तीन मासूम छात्रों की जान ले ली, बल्कि बेलगाम रसूख और संवेदनहीन लापरवाही का एक चौकाने वाला चेहरा भी उजागर कर दिया है। कोच्चि के पास हुए इस हादसे में एक तेज रफ्तार मिनी कूपर ने दोपहिया वाहन पर सवार तीन छात्रों की टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद, आरोपी ड्राइवर के कथित बेखौफ गुरुर ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। चश्मदीद सलीम ने इस दर्दनाक मंजर को बर्‍या करते हुए बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोग दहल गए और तुरंत घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सलीम के मुताबिक, जब एमसीडेंट हुआ, तो मैं पास में ही खड़ा था। जोर की आवाज आई, और हम सब यह देखने के लिए मौके पर दौड़े कि कुछ हुआ तो नहीं। सड़क पर तीन लोग घायल हो गए थे।

## राहुल पर चुप्पी साधकर मोदी संग मेट्रो में सफर करते रहे सीएम विजय

- तमिलनाडु में टीवीके की अनूटी राजनीति

**चेन्नई, एजेंसी।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपनी राजनीति को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जुड़े राजनीतिक विवादों से लगातार दूर रखा है। हाल ही में दिल्ली में राहुल गांधी की हिरासत को लेकर विपक्षी दलों के तीव्र विरोध के बावजूद, उनकी चुप्पी ने ध्यान आकर्षित किया। इस घटना के महज दो दिन बाद, मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेट्रो में सफर करते और मंदिर दर्शन करते नजर आए, जो उनकी संतुलित राजनीतिक रणनीति का स्पष्ट संकेत है।दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च के दौरान राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस पर सत्ताधारी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी होने के बावजूद, मुख्यमंत्री विजय ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को चेन्नई दौरे पर थे। मुख्यमंत्री विजय ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दिलचस्प



बात यह है कि इससे ठीक एक दिन पहले, राहुल गांधी भी चेन्नई पहुंचे थे और मुख्यमंत्री विजय ने अपने आवास पर उनका स्वागत व दोपहर के भोजन का आयोजन किया था। 24 घंटे के भीतर ही प्रधानमंत्री मोदी का चेन्नई पहुंचना और मुख्यमंत्री विजय द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करना, कई राजनीतिक कयासों को जन्म दे गया।मेट्रो प्रोजेक्ट के उद्घाटन के बाद, दोनों नेता आईआईटी मद्रास भी गए, जहां उनके साथ सीएम विजय भी

मौजूद थे। इसके बाद वे जलकंडेश्वर मंदिर में भी साथ दिखे। आधिकारिक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री के साथ विजय का शामिल होना सामान्य है, लेकिन मंदिर में उनकी मौजूदगी ने सियासी गलियारों में विशेष चर्चा छेड़ दी है। इसे प्रोटोकॉल से हटकर देखा जा रहा है, खासकर तब जब विजय विपक्षी दलों के साथ गठबंधन में हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री के साथ मंदिर जाने के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

## बीजेपी पंचायत चुनाव में भी प्रशासन-पुलिस का दुरुपयोग दोहराएगी: अशोक गहलोत



**जयपुर, एजेंसी।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। गहलोत ने चेतावनी दी कि बीजेपी चुनावों में “पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग दोहराएगी।” राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होने वाले हैं। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि शहरी निकाय चुनावों की तरह बीजेपी पंचायती राज चुनावों में भी प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी। हमें लोगों को साथ लेकर इस बेईमानी का मुकाबला करना होगा। उन्होंने दावा किया कि अनियमितताओं के बावजूद कांग्रेस ने शहरी निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और उसे बीजेपी के

करीब बराबर वोट मिले। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और इसलिए पार्टी चुनाव जीतेगी। गहलोत ने कहा कि ये चुनाव पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। यह हम सभी की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधियों से फोन पर बात भी कर रहा हूं और कई साथियों से पहले ही बात कर चुका हूं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांवों का दौरा करने, लोगों के बीच रहने और बीजेपी की उन गतिविधियों को उजागर करने का आग्रह किया, जिन्हें उन्होंने अलोकतांत्रिक बताया। गहलोत ने कहा कि जब लोग हमारे साथ होते हैं, तो कोई भी प्रशासन या पुलिस उनसे उनका जनादेश नहीं छिन सकती।

## मंत्री आठवले बोले- प्रधान का इस्तीफा ले लिया, झानेश को छोड़ो

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) झानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन न करने की सलाह कॉन्ग्रेसर जनता पार्टी (सीजेपी) को दी है। उन्होंने सीजेपी से छात्रों से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने का आग्रह किया, वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप भी लगाया। एक बयान में आठवले ने कहा कि सीजेपी को झानेश कुमार के मामले में पड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि सीजेपी का गठन नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक के विरोध में हुआ था और उनकी मांगें, जिनमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था, पूरी हो चुकी हैं। आठवले ने जोर दिया कि सीजेपी को छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा नीति, पीएच प्रणाली और इससे संबंधित अन्य कारणों पर आंदोलन करना चाहिए, न कि झानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि जिन 13 करोड़ वोटों को काटा गया है, उनमें से 6 करोड़ ऐसे मतदाता हैं



जिनका स्थानांतरण हुआ है, यानी वे नौकरी या व्यवसाय के लिए एक जगह से दूसरी जगह गए हैं। उन्होंने बताया कि 1 करोड़ मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे, जिनमें से एक नाम हटया गया, जबकि लगभग 3 करोड़ लोग लापता थे। आठवले ने जोर देकर कहा कि यह वोट चोरी नहीं है। राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी बयानों पर भी आठवले ने सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी अपने चुनाव क्षेत्र में अपनी पार्टी के सीटों की संख्या बढ़ने पर उसे वोट चोरी कहेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को सत्ता मिली थी, तब क्या वे भी वोट चोरी करते थे? आठवले ने चुनाव आयुक्त के

इस्तीफे की मांग को बेबुनियाद बताते हुए विपक्ष पर जानबूझकर अराजकता को निमंत्रण देने और लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब आठवले ने सीजेपी को चेताया हो। 3 अक्टूबर को भी उन्होंने सीजेपी के अभिजीत दीपके को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी बंद करने की चेतावनी दी थी। इस बीच, राजधानी दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शनों की आशंका है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का ऐलान किया है और देशभर से कार्यकर्ताओं को दिल्ली बुलाया है।

## ध्रुव राठी बोले- मेरा सीजेपी से कोई संबंध नहीं, झानेश के खिलाफ प्रदर्शन में हुए थे शामिल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ध्रुवराज ध्रुव राठी ने कॉन्ग्रेसर जनता पार्टी (सीजेपी) से अपना कोई रिश्ता होने से इनकार किया है, जबकि वह देश के मुख्य चुनाव आयुक्त झानेश कुमार के खिलाफ उसके आंदोलन में शामिल हुए। विदेश में रहकर भारतीय राजनीति और सरकार की आलोचना के लिए जाने जाने वाले राठी ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इस प्रदर्शन में शामिल होने आए थे, उनका सीजेपी से किसी तरह का जुड़ाव नहीं है। ध्रुवराज पर करीब 40 मिलियन वक्त्राडब्स वाले ध्रुव राठी को सीजेपी नेताओं अभिजीत दीपके और सीएम वहां से एक वीडियो बनाकर प्रदर्शन में पेर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के पहले आंदोलन के दौरान

भी अक्सर अभिजीत दीपके के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए दिखते थे। अब झानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में उन्होंने खुद भी शामिल होने का फैसला किया। बेंगलुरु में 8 अक्टूबर को आयोजित प्रदर्शन से ठीक पहले भारत आए ध्रुव राठी ने उस दिन मंच से भाषण भी दिया और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के जरिए वोट चोरी के आरोप लगाए। राठी 10 अक्टूबर को सीजेपी की ओर से दिल्ली में घोषित प्रदर्शन में भी हिस्सा लेना चाहते थे। वह इसके लिए दिल्ली पहुंच भी गए थे। शुक्रवार शाम वह इंडिया गेट गए और वहां से एक वीडियो बनाकर प्रदर्शन में अधिक से अधिक लोगों के शामिल होने की अपील की। 10 अक्टूबर को

अभिजीत दीपके को सुबह ही उनके गुरुग्राम स्थित घर से हिरासत में ले लिया गया। उसी दिन ध्रुव राठी को भी दिल्ली में हिरासत में ले लिया गया। 20 से अधिक घंटे तक हिरासत में रहने के बाद छोड़े गए ध्रुव राठी ने बाद में आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें घसीटकर बेडरूम से ले गई और इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं। ध्रुव राठी भले ही पहले धर्मेन्द्र प्रधान और अब झानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर सीजेपी के साथ खड़े दिख रहे हैं, लेकिन उन्होंने सीजेपी से किसी तरह के जुड़ाव या रिश्ते से इनकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सीजेपी में कोई पद नहीं रखते हैं। राठी ने अपनी भूमिका साफ करते हुए कहा, मैं यहां व्यक्तिगत तौर पर आया हूं। मैं ऐसा नहीं कि सीजेपी से

कोई जुड़ा हूं या कुछ (पदाधिकारी) हूं। मैं व्यक्तिगत क्षमता से आया हूं, जैसे देश में लाखों लोग प्रोटेस्ट कर रहे हैं, उन्हीं की तरह। राठी ने कहा कि वह खासतौर पर इस प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए ही भारत आए हैं। राठी ने कहा, इलेक्शन कमीशन न्यूटल होना चाहिए। वोट चोरी बहुत गंभीर मुद्दा है, इसके बिना लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं हो सकता है। अगर वोट इस तरह चुराए जा रहे तो यह लोकतांत्रिक देश नहीं है। यह डिक्टेटरशिप की ओर बहुत ज्यादा नीचे गिर चुका है। मैंने हमेशा कहा है कि यह स्पेक्ट्रम है। यह मत कहे कि 100 पर्सेंट डिक्टेटरशिप है या 100 पर्सेंट डेमोक्रेसी है। 2014 में हम जहां थे वहां से (डिक्टेटरशिप के) बहुत करीब आते जा रहे हैं।

## अमृतसर एयरपोर्ट पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि, उड़ानें प्रभावित

- तीन उड़ानें डायवर्ट, कुछ देर रोका गया रनवे ऑपरेशन

अमृतसर (एजेंसी)। रविवार देर रात पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा कारणों से तीन उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा, जिसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9-30 बजे एयरपोर्ट पर तेनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने अत्यधिक ऊंचाई पर उड़ती दो-तीन अज्ञात वस्तुओं को देखा। इनकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचित किया गया, जिसके बाद एहतियाती तौर पर हवाई यातायात को अस्थायी रूप से प्रभावित किया गया। संदिग्ध ड्रोन गतिविधि के चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। इनमें दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-855 को वापस दिल्ली, मुंबई से आ रही इंडिगो की उड़ान 6ई-5028 को चंडीगढ़, और कुआलालंपुर से आ रही मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान एमएच-118 को दिल्ली डायवर्ट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा और आवश्यक जांच के बाद हवाई अड्डे का संचालन सामान्य कर दिया गया। अधिकारी अब इन ड्रोन जैसी दिखने वाली वस्तुओं की प्रकृति और उनकी गतिविधियों की जांच कर रहे हैं। अगस्त में भी इसी तरह की घटना के बाद एक बार फिर एयरपोर्ट की सुरक्षा और हवाई यातायात को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

# भाजपा के कश्यप ने की अखिलेश से मुलाकात, यूपी में गरमा गई सियासत

- बरेली में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले राजनीतिक भूचाल

**बरेली, एजेंसी।**

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गहमागहमी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली के दौरे पर आ रहे हैं, लेकिन इससे ठीक पहले जिले का राजनीतिक समीकरण बदल गया है। आंवला से लगातार दो बार सांसद रहे और पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र कश्यप ने भाजपा से इस्तीफा देकर रविवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर बड़ा सियासी दांव चला है।

धर्मेन्द्र कश्यप ने अपनी बेटी कीर्ति के साथ अखिलेश से मुलाकात की और उसके लिए बिथरी चैनपुर सीट पर दावा भी ठेंक दिया। उनके इस कदम से समाजवादी पार्टी में भी हलचल मच गई है, क्योंकि सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव अपने बेटे डॉ. देवेंद्र यादव के लिए इसी सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे। इस आंतरिक खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव ने वीरपाल को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली में करीब साढ़े तीन घंटे रहेंगे। इस दौरान वे बरेली और मुरादाबाद मंडल के नौ जिलों के करीब पांच हजार ग्राम प्रहरियों से संवाद कर उन्हें सम्मानित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बरेली क्लब मैदान में बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद सीट से भाजपा प्रत्याशी हरि खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव से टिकट की पैरवी कर रहे थे। इस आंतरिक खींचतान को देखते हुए अखिलेश यादव ने वीरपाल को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की है।

जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत और सभा स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल की व्यवस्था शामिल है। धर्मेन्द्र कश्यप के पिछले कुछ दिनों में उछाप गए कदमों से जिले में राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। भाजपा से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी सिंह ढिल्ले के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौर को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं,

लखनऊ में एक कार्यक्रम में की जाएगी, जहां वे अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल होंगे। धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी चैनपुर सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा पहले ही जता चुके हैं, और उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। बरेली की सियासत में हलचल उस वक्त और तेज हो गई, जब सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव को आंवला विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। माना जा रहा है कि वीरपाल अपने बेटे डॉ.

देवेंद्र यादव के लिए बिथरी चैनपुर सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे, लेकिन इसी सीट पर धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए ही सपा प्रमुख ने वीरपाल सिंह यादव और पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार को लखनऊ बुलाकर समीकरणों पर चर्चा की। चर्चा के बाद वीरपाल को आंवला की जिम्मेदारी सौंप दी गई, जिसे उनकी राजनीतिक भूमिका के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

## राहुल गांधी के आरोपों पर शिवराज का पलटवार, अराजकता फैलाकर सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस

-कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कटपुतली

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि पार्टी सत्ता हासिल करने के लिए देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने में जुटी है। उन्होंने कांग्रेस को गुंडों का समूह बताकर कहा कि पार्टी सड़कों पर विरोध प्रर्शान कर व्यवस्था को चुनौती देना चाहती है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कटपुतली बन गई है और सत्ता के लिए विभिन्न संगठनों तथा देशविरोधी ताकतों के सहारा ले रही है। बीजेपी नेता चौहान ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के लिए उसके नेतृत्व को सीधे जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप



लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग को दोष देने के बजाय पार्टी को अपने नेतृत्व की कमजोरियों और आंतरिक कलह पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतपेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसकी समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडिएमके, बिहार में आरजेडी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निर्भर रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस कई राज्यों में छोटी सहयोगी पार्टी बनकर रह गई है।





## संक्षिप्त डायरी

**पटना में छात्रा की मौत के बाद भी दुबई से आ रही कॉल, 5 को भागलपुर तो 6 अक्टूबर को रांची में मिला फोन का लोकेशन**



पटना (एजेसी) पटना में छात्रा की मौत के मामले में पुलिस 50 से अधिक फुटेज खंगाल रही है। 4 संदिग्ध मोबाइल नंबर और बैंक खाते से 80 हजार रुपये की निकासी की भी जांच हो रही है। पटना के राजेंद्र नगर रेलवे यार्ड के पास 21 वर्षीय छात्रा की मौत के मामले में पुलिस करीब 50 फुटेज तथ्यों पहलुओं पर जांच कर रही है। इसी बीच रविवार को मृतका की माँ के मोबाइल पर एक कॉल आया, कॉल करने वाले ने 10 हजार रुपये के लोन की बकाया किस्त माँगी। जब छात्रा के भाई ने हिसाब देने की चुनौती दी, तो तौ कॉल करने वाले ने फोन काट दिया। पुलिस इस कॉल से पुलिस तथ्यों की भी जांच कर सकती है। 50 से अधिक फुटेज खंगाल रही पुलिस छात्रा की मौत की गुश्थी सुलझाने के लिए पुलिस अब तक 50 से अधिक फुटेज खंगाल चुकी है। इन फुटेज के जरिए छात्रा की गतिविधियाँ और घटना से पहले की परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। मोबाइल से मिले चार संदिग्ध नंबर जांच के दौरान छात्रा के मोबाइल फोन में चार संदिग्ध नंबर मिले हैं। पुलिस इन नंबरों के धारकों की पहचान करने और छात्रा से उनके संपर्क की पुष्टि का पता लगाने में जुटी है। कॉल हिस्ट्री, मैसेज और चैट की भी जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि छात्रा किन लोगों के संपर्क में थी, बैंक खाते से 80 हजार रुपये की निकासी पुलिस की जांच में छात्रा के बैंक खाते से 80 हजार रुपये निकाले जाने की जानकारी सामने आई है। इस लेनदेन की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए संबंधित बैंक खातों का विस्तृत ब्यौरा मांगा गया है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि रकम कब और किस माध्यम से निकाली गई तथा इसके बाद किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हुई या नहीं। ऑनलाइन गेमिंग के जरिए संपर्क की भी पड़ताल पुलिस छात्रा के ऑनलाइन संपर्कों की भी जांच कर रही है। ऑनलाइन गेमिंग के जरिए ऑनलाइन लोगों से बातचीत होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए संबंधित पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। हालांकि, अब तक उपलब्ध जानकारी के आधार पर किसी व्यक्ति की संलिप्तता या साइबर ठगी की पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित खबर- पटना में चार दिनों से लापता युवती का रेलवे ट्रैक पर मिला शव, घर से फॉर्म भरने लोकी थी, दुर्घट कनेक्शन आला सामने भागलपुर शायं से रांची में मिला था नलेश शर्मा जांच के दौरान छात्रा की लोकेशन पांच अक्टूबर को भागलपुर और छह अक्टूबर को रांची में मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस इन लोकेशन से जुड़ी परिस्थितियों और छात्रा की गतिविधियों का पता लगाने में जुटी है। इन जानकारीयों को अन्य तकनीकी साक्ष्यों के साथ मिलाकर देखा जा रहा है। 9 अक्टूबर की रात मिला था शव नौ अक्टूबर की रात राजेंद्र नगर रेलवे यार्ड के पास रेल पटरी किनारे छात्रा का शव मिला था। घटना के बाद परिवार की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर कंकड़बाग थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। अब पुलिस उच्चस्तर फुटेज, मोबाइल रिकॉर्ड और बैंक खातों से जुड़े विवरणों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

**पटना (एजेंसी)** बिहार में परिवहन-सकल को सुधारने के लिए राज्य सरकार जीआइएस आधारित डिजिटल अभिलेख तैयार कर रही है। इसमें रेलवे नेटवर्क, राजमार्गों, ग्रामीण सड़कों और पुल-पुलियों का डिजिटल नक्शा बनेगा। बिहार में परिवहन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार जीआइएस आधारित डिजिटल अभिलेख तैयार करने जा रही है। इसमें कठोर तहत राज्य के रेलवे नेटवर्क, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, जिला सड़कों, ग्रामीण मार्गों और पुल-पुलियों का डिजिटल नक्शा तैयार किया जायेगा। इस व्यवस्था में परिवहन व्यवस्था को क्रियान्वयन की जिम्मेदारी विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को दी गयी है। प्रस्तावित डिजिटल मैप में राज्य के परिवहन



छात्रों से संबंधित विभिन्न जानकारीयों  
 एकीकृत रूप में उपलब्ध रहेगी। इससे  
 अलग-अलग क्षेत्रों में सड़कों और  
 रेलवे लाइनों की स्थिति, उनके बीच  
 संस्कृति तथा पुल-पुलियों की भौगोलिक  
 स्थिति का आकलन करना आसान  
 होगा। बिहार के मौजूदा जीआइएस  
 पोर्टल पर उपलब्ध एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय  
 राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, प्रमुख जिला  
 सड़कें और रेलवे ट्रैक से संबंधित

आंकड़ों को भी इस पहल के तहत अधिक उपयोगी बनाया जायेगा। परिवहन नेटवर्क का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने के साथ उसके आसपास मौजूद पर्यावरणीय चुनौतियों को भी चिह्नित किया जायेगा। इसके अंतर्गत बाढ़ प्रभावित इलाकों, जलजमाव वाले क्षेत्रों, नदियों, नालों, कटाव व समस्या, वन क्षेत्रों और प्रदूषण से जुड़े संभावित जोखिमों का विवरण शामिल

किया जा सकेगा, इससे सड़क, रेल या पुल निर्माण से जुड़ी योजनाओं को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित क्षेत्र की भौगोलिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों की जानकारी मिल सकेगी। परियोजनाओं के संभावित प्रभावों का आकलन करने और आवश्यक सावधानियाँ बताने में भी इस अभिलेख को समय-समय पर अपडेट करने की है। इससे नवी सड़कों के निर्माण, मौजूदा मार्गों के विस्तार, मरम्मत और अप्रिय परिवहन परियोजनाओं से जुड़ी जानकारी का रेकार्ड रखा जा सकेगा। इसके अलावा, समय के साथ होने वाले पर्यावरणीय बदलावों की जानकारी भी संकलित की जा सकेगी। काम शुरू होने और पूरा होने की तथ्यों का गहन मिलाव योजना में परियोजना स्थलों की निगरानी पर भी जोर दिया गया है। इसके तहत निर्माण कार्य शुरू

होने से पहले और काम पूरा होने के बाद संबंधित स्थल की तस्वीरें ली जायेंगी। इन तस्वीरों को जीआइएस अभिलेख में दर्ज कर उनके आधार पर स्थल की स्थिति में आये बदलावों का आकलन किया जायेगा। इस प्रक्रिया से अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने और परियोजना की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में सुविधा होगी। साथ ही, स्थिति निरीक्षण के दौरान समान आने वाली समस्याओं और संभावित अनियमितताओं की पहचान करने में भी मदद मिल सकती है। बिहार की तातातजा खबरों को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें जरूरत के मुताबिक तथ्यांक होगी परियोजनाओं की प्राथमिकता जीआइएस अभिलेख से राज्य में परिवहन सुविधाओं के विस्तार की योजना तैयार करने में भी मदद मिलेगी। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर यह पता लगाया जा सकेगा कि

किन्तु क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर करने, रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने या पुलों के निर्माण की आवश्यकता है। इससे विकास योजनाओं के लिए प्राथमिकताएँ निर्धारित करने में सहाय्यत्व होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जानकारीयों उपलब्ध रहने से सर्वसम्बंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने और परियोजनाओं की निगरानी को बेहतर बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा अभी शीला मंडल ने कहा कि जैआइएस आधारित व्यवस्था से परिवहन परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने और विकास कार्यों की निगरानी करने में मदद मिलेगी। इसके माध्यम से उपलब्ध आँकड़ों के आधार पर सड़क संपर्क, रेलवे कनेक्टिविटी और पुलों की जरूरत का आकलन भी किया जा सकेगा।

**पटना में झूठी से लापरवाही पर सब-इंस्पेक्टर सहित 4 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का वेतन रुका**

पटना (एजेंसी) पटना में ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही पर एक्शन. मल्टी मॉडल हब के पास ड्यूटी पर तैनात 4 पुलिसकर्मियों का वेतन रोक़ा गया. वायरल वीडियो की जांच के बाद 7 दिन में मंगा स्थीकरण. पटना में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में लापरवाही के मामले में ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई की है. मल्टी मॉडल हब के पास ड्यूटी पर तैनात एक अव्यवस्थित और तीन पुलिसकर्मियों का तत्काल प्रभाव से वेतन रोक़ा दिया गया है. वायरल वीडियो की जांच में पुलिसकर्मियों के आपस में बातचीत करने और बसों से बीबीस सड़क पर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने के दौरान नियमनामुसार कार्रवाई नहीं करने की बात सामने आई. मांगी गई कर्मियों से सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है. वायरल वीडियो की जांच में सामने आई राजधानी की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी में लापरवाही का मामला सामने आया है. ट्रैफिक पुलिस उपाधीक्षक चतुर्थ ने वायरल वीडियो की जांच की. मल्टी मॉडल हब के प्लान संख्या 03 और 04 के पास तैनात पुलिस अधिकारी और कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं. बीबीस सड़क पर तैनात मल्टी मॉडल हब के चढ़ाने और उतारने का हिस्सा है. हालांकि यात्रियों को निष्



जम्मूदारियों का निर्वहन करने के बजाय आपस में ब्रतचौत करते दिखाई दिए. मल्टी मॉडल हब के बाहर बीच सड़क पर चढ़ाए जा रहे थे यात्री नियमानुसार मल्टी मॉडल हब से निकलने वाली बसों में यात्रियों को चढ़ाने और उतारने की व्यवस्था हब के अंदर होनी चाहिए. हालांकि, जांच में सामने आया कि बसों से यात्रियों को निर्धारित स्थल के बजाय बीच सड़क पर



इससे यातायात  
थी. ड्यूटी पर  
रैवाई वीडियो में  
बीच सड़क पर  
में नियमानुसार  
बातचीत करते  
थी और यातायात

नियंत्रण में शि  
पुलिसकर्मियों के  
नरीक्षक समेत  
में अगर नरीक्ष  
कुमारी, रानी व  
तत्काल प्रभाव से  
ड्यूटी के दौरान  
और यातायात म  
सात दिनों में देना  
तहत सभी चार  
संबंधित कार्याल  
निर्देश दिया गया  
के आधार पर  
नियमों के पालन  
संचालन और  
स्थान पर कराना  
बीच सड़क पर  
की आवाजाही व  
तैनात कर्मियों के  
सुनिश्चित कराएं

[illegible]

**पटना से नेपाल जाना होगा आसान, 3590 करोड़ से बनेगी 82.5 किमी लंबी फोरलेन सड़क, इतने घंटों में पूरा होगा सफर**

**पटना (एअरपोर्ट)** पटना से नेपाल जाने वाले यात्रियों और व्यापारियों के लिए अच्छी खबर है। मुजफ्फरपुर-सोनबरसा 82.5 किमी फोरलेन सड़क निर्माण से यात्रा का समय घटेगा। जर्नेटूर डिस्टेंस, बिहार से नेपाल जाने वाले लोगों के लिए सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने वाली है। मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक मौजूदा टूलेन सड़क को फोरलेन में बदलने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। 82.578 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना पर, 3,590.73 करोड़ रुपये खर्च होंगे। फोरलेन बनने से पटना से मुजफ्फरपुर होते हुए भारत-नेपाल सीमा तक आवागमन आसान होगा। इसके साथ ही व्यापार, उद्योग और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। 82.578 किमी सड़क पर खर्च होंगे 3,590 करोड़ रुपये इस परियोजना को स्थानीय प्रशासन को नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की



वेकट में हुई थीं। सड़क को हाइब्रिड एन्युइटी मोड (लुअट) के तहत विकसित किया जा रहा है। इसे 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की डिजाइन स्पीड के अनुरूप तैयार करने की योजना है। सड़क के बीच बने मेडियन में समतल खुला कट नहीं रखने का प्रावधान भी है, जिससे यातायात को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। सात बड़े पुल और तीन

रेलवे ओवरब्रिज बनने पर फाल्गुन  
परियोजना के तहत सात प्रमुख पुलों का  
निर्माण किया जाएगा. इनमें बारहमासा  
बागमती नदी पर बनने वाला 340 मीटर  
लंबा पुल भी शामिल है. इसके अलावा  
फाल्गुन रेलवे ओवरब्रिज (फहई) और  
1,170 मीटर तथा 270 मीटर लंबे दो  
बड़े फहईओवर प्रस्तावित हैं. इन  
संरचनाओं से रेलवे क्रॉसिंग और व्यस्त  
इलाकों में यातायात का दबाव कम

मकरे तथा यात्रा समय घटाने में मदद देनेमिलने की उम्मीद है। सोनबरसा से मजबूतमिलनेवाला सीमा तक कर्नेक्टिविटी होगी। मजबूत मुजफ्फरपुर-सोनबरसा फोलेलेन सड़क सोनबरसा स्थित भारत-नेपाल सीमा का राष्ट्रीय राजमार्ग-27 यानी इन्फ्रस्ट्रक्चर, कंक्रीट सड़क से जोड़ेगी। इससे मुजफ्फरपुर, मकसूदपुर, रूनीसेतुपुर, थुथुमा, डुमरा, भूतही और सोनबरसा जैसे प्रमुख बाजारों में यातायाक का बढावा कम हो सकता है। मात्रावाहक वाहनवाह की आवाजाही सुगम होने से कृषि उत्पादों और दूसरे सामान की दुहुलाई भी आसान होने की उम्मीद है। रोजगार, रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढावा इस सड़क से पीएम गति-शक्ति के तहत आने वाले चार ईस्टैशियल एस्टेट और एक मेगा फूड पार्क को बेहतर सड़क संपर्क मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही बाबा धर्मबनाथ मंदिर और पुरातन धाम जैसे धार्मिक स्थलों तक सड़क आसान हो सकती है।

मुचामफरपुर और सीमागद्दी रेलवे स्टेशनों के लॉजिस्टिक्स केंद्रों से बेहतर संक्रमण मिलने पर व्यापार, रोजगार और पर्यटन विधिविधियों की भी गति मिल सकती है। जमीन अधिग्रहण का काम तत्कालीन व्यापार परियोजना से जुड़ी जानकारी के अनुसार, जमीन अधिग्रहण का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। अब निर्माण कार्य की प्रगति पर चलाए जा रहे हैं। फोर्लेन सड़क तैयार होने के बाद उन बिंदुओं से नेपाल सीमा तक आने-जाने वाले लोगों और व्यापारिक वाहनों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद है। 4 से 5 घंटे में पूरा हो सकना है। सफर मुचामफरपुर-सोनाबरसा फोर्लेन बनने के बाद पटना से नेपाल सीमा तक का सफर पहले के मुकाबले तेज और आसान होने की उम्मीद है। अनुमान के मुताबिक, पटना से सोनाबरसा स्थित भारत-नेपाल सीमा तट करीब 2 घंटे के सफर में करीब 4 से 5 घंटे घटा सकते हैं,

पना (एससी) पना के 11 थाणों के 72 पुलिसकर्मियों का वेतन रोका गया। हई, कांडों के निष्पादन में लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी पर एसपी ने की कार्रवाई की। एसपी पना एसपी ने 11 थाणों के 72 पुलिस पदाधिकारियों पर कार्रवाई की। पदाधिकारियों ने अगले आदेश तक सभी पदाधिकारियों का वेतन रोका दिया। जानकारों अनुसार निर्यात समग्र सीमा में कांडों का निष्पादन नहीं करने के कारण कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारियों पर अनुसंधान में ढिलाई बरतने और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं करने का मामला सामने आया है। समीक्षा में लक्ष्य पूरा नहीं करने का मामला आया। सामने पुलिस विभाग में सितंबर के दौरान दर्ज कांडों के अनुसंधान और अनुसंधानकर्ता अपने जिम्मे के मामलों में निर्यात न्यूनतम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। कामकाज में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने और



लापरवाही के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण एसपी ने बेतन परकोने के साथ का आदेश जारी किया. बख्तियारपुर थाना के सबसे अधिक 13 पदाधिकारी कार्रवाई की उम्र में इस पुलिस पदाधिकारी बख्तियारपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं. इसके अलावा बाढ़ थाना के 11, अथमलगेला के 10 और फतुहा थाना के 4 गयी है. खुसरूपुर पराना के के सात और पंडारक थाना के छह पदाधिकारियों थाना के का वेंत भी पुलिस पदाधिकारियों का वेंत भी सालिमपुर के पांच-पांच अधिकारी

शामिल दोदरगरज और सालिमपुर  
थाना के पांच-पांच पुलिस  
पदाधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई  
की गयी है। वहीं, मरांची थाना के तीन  
तत्पथ मोकामा और नन्दी थाना के दो-  
दो पदाधिकारी भी इस सूची में शामिल  
हैं। इस तरह कुल 11 थानों के 72  
पुलिस पदाधिकारियों पर कार्रवाई की  
गयी है। लॉबित मामलों के निष्पान्दन  
में तेजी लाने का प्रयास पुलिस  
अधिकारियों के अनुसार, इस कदम  
का उद्देश्य लॉबित कांडों के अनुसंधान  
और निष्पान्दन की प्रक्रिया में तेजी  
लाना है। ग्रामीण एसपी कोमल मिश्रा  
ने स्पष्ट किया है

**पटना में दो युवकों के अपहरण मामले में पुलिस को शक, न गाड़ी का पता, ना मारपीट के मिले निशान**

पटना (एजेंसी) पटना में दो युवकों के कथित अपहरण की कहानी में पुलिस को शक है। युवक के बयानों में विरोधाभास है। कहीं दशरथा में पैसे ऐंठने की साजिश तो नहीं? पुलिस जांच जारी। पटना के धरुआ के मधुवन स्थित ड्राइविंग सेंटर से दो युवकों के कथित अपहरण के मामले में पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ कई सवाल उठने लगे हैं। शनिवार की रात महात्मा गांधी सेतु पर सकुशल बरामद बहू कुमार और पवन कुमार से रिवार की पूछताछ की गई। इस दौरान दोनों के बयानों में विरोधाभास सामने आए। पुलिस को घटनाक्रम के कई पहलू संदिग्ध लग रहे हैं। दशरथा में पैसे ऐंठने के लिए

कहानी गढ़ने का शक पुलिस से आशंका है कि दशहरा में मौजूद मस्ती के लिए परिजनों से पैसे लेने के उद्देश्य से अपहरणों की कहानी बनाई गई हो सकती है. हालाँकि, यह फिलहाल जांच का एक पहलू है और पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. दोनों युवकों को बचाना, उनकी गतिविधियों और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों का मिलान किया जा रहा है. मसौद्वी में शंका लगने के बाद इलाखी से पहुँचने का दावा प्रवृत्ताख में बिन्दु कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार की दोपहर मसौद्वी में आया था. इस दौरान उसकी गाड़ी से एक व्यक्ति को धकेल लगी गयी था. बीच-बचाव होने के बाद वह वहाँ

न निकल गया. इसके बाद बाजार में खाने-पीने के बाद मधुवन स्थित ड्राइविंग सेंटर पहुंचा. बिट्टू के अनुसार, वहां दूसरी गाड़ी से आया दर्जन से अधिक युवक आए और मासरोपीट कर दोनों को जबरन अपने साथ ले गए. पुलिस को दोनों युवकों के ड्राइविंग सेंटर पहुंचने के कारणों पर भी संदेह है. बिट्टू कुमार रिपपितावासी थाना क्षेत्र के पनहारा को निवासि है, जबकि पवन कुमार मसरोही के लहमुना थाना क्षेत्र स्थित चांदचंदकरा का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार, मधुवन स्थित ड्राइविंग सेंटर दोनों के घरों से विपरीत दिशा में पड़ता है. घुस्साल के दौरान दोनों पकड़े जाने की वजह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं.

**पटना (एजेंसी)** सरदार पटेल जयंती समारोह में नालंदा की भागीदारी

समग्ररूप से लिए बुद्धिजीवियों की बैठक हुई। लोगों को एकता और साझा विरासत के संदेश से जोड़ने पर जोर दिया गया। नालंदा से अधिकाधिक विद्यार्थियों को भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भागीदारी राजकुआं स्मिथ एसपी वर्मा महाविद्यालय में हड़साजी विरासत के बैनर तले बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों की बैठक हुई। इसमें 31 अक्टूबर को पटना के श्रीकृष्ण सिंह मेमोरियल हॉटेल में आयोजित सरदार मल्लभभाई पटेल जयंती समारोह की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में सामाजिक एकता, राष्ट्रीय अखंडता और साझा संसांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने पर जोर दिया गया। 31 अक्टूबर के समारोह में नालंदा की भागीदारी



बढ़ाने पर चर्चा राजाकुओं स्थित  
एस्परी वर्मा महाविद्यालय में आयोजित  
बैठक में वक्ताओं ने पटना में होने  
वाले सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती  
समारोह को सफल बनाने की रणनीति  
पर विचार-विमर्श किया. बैठक में  
सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि  
नालंदा के राजाकुओं सहित आसपास  
के क्षेत्रों से अधिकाधिक लोगों को

समाराह में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा. इसके लिए जनसंपर्क अभियान चलाने और लोगों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने पर सहमति बनी. साझा विरासत को बताना, सांस्कृतिक पहचान का आधार बैठक में प्रोफेसर सच्चिदानंद प्रसाद वर्मा ने कहा कि साझा विरासत भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान

का आधार है. समाज के विभिन्न वर्गों को समान और समानता के साथ जोड़कर ही मनुवृत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है. उन्होंने सामाजिक और आर्थिक के बजाय संवाद, सौहार्द और एकता को बढ़ावा देने की जरूरत बताई. सरदार पटेल के विचारों से प्रेरणा लेने की अपील संजय शेट्टा ने कहा कि से ऊपर उठकर साझा विरासत की रक्षा करने पर जोर दिया. युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने पर जोर बैठक को अग्र्यता कर रहे समाजसेवी शिव अच्युता कशवाहा ने कहा कि संगठित समाज ही अपनी समस्याओं को प्रभावी समाधान कर सकता है. युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़कर जागरूक समाज का निर्माण करना आवश्यक है. वहीं, समाजसेवी भारत

पूछने ने कहा कि सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि उनके एकता और राष्ट्रनिर्माण के संदेश को समाजिक जीवन में अपनाना ही दी जा सकती है, उन्होंने साहित्य, संस्कृति और शिक्षा को समाज को जोड़ने का प्रयास भी माध्यम बताया. एकजुटता और राष्ट्रीय एकता का संदेश बैठक का संचालन कर रहे समाजसेवी संजय कुशवाहा ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता है. अधिवक्ता कल्याण कुमार ने सरदार पटेल को राष्ट्रीय एकता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया हुए उनके विचारों को व्यवहार में उतारने की अपील की. वक्ताओं ने एक स्वर में कहा, हूनमरत नहीं, साहस चाहिए; विभाजन नहीं, एकता चाहिए और संकीर्णता नहीं, साझी विरासत चाहिए.

### बिजलीघरों में कोयला संकट टला, भंडार घटने की रफ्तार में भारी गिरावट

अक्टूबर में प्रतिदिन औसत कमी 2.4 लाख टन से घटकर 60,000 टन हुई

नई दिल्ली ।

देश के ताप बिजलीघरों में कोयले के भंडार घटने की रफ्तार में अक्टूबर महीने के पहले दस दिनों में भारी कमी आई है, जिससे ऊर्जा संकट की आशंकाएं कम हुई हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कोयले की आपूर्ति बेहतर होने के कारण अब दैनिक खपत के अनुरूप उपलब्धता बनी हुई है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि 29 सितंबर से कोयले का भंडार लगातार 1.8 करोड़ टन से ऊपर बना हुआ है, जो स्थिति में स्थिरता का संकेत है। कोयला मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 29 सितंबर को बिजलीघरों में कोयले का भंडार 1.8932 करोड़ टन था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 1.8205 करोड़ टन रह गया। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि सितंबर में बिजलीघरों में कोयले का भंडार निचले स्तर पर आ गया था। सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था, इस दौरान औसतन प्रतिदिन करीब 2.4 लाख टन की कमी आई थी। वहीं, अक्टूबर के पहले 10 दिनों में कुल मिलाकर केवल 5.6 लाख टन कोयला घटा, जिससे प्रतिदिन औसतन लगभग 60,000 टन की कमी दर्ज की गई। यह सितंबर की तुलना में चार गुना से अधिक धीमी रफ्तार है, जो आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय माहंगाईयों में कोयला लादने की संख्या बढ़ने को दिया है। इस वर्ष एक से 10 अक्टूबर के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक कोयला लादा गया, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था, इसमें करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में बिजली क्षेत्र को प्रतिदिन औसतन 24.9 लाख टन कोयले की वास्तविक आपूर्ति हुई, जबकि सितंबर में यह 22.1 लाख टन प्रतिदिन थी।

### छात्रों के लिए एयर इंडिया का तोहफा, फ्लाइट टिकट पर 10 फीसदी छूट

10 किलो अतिरिक्त सामान और एक बार मुफ्त तारीख बदलने की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

अगर आप कॉलेज में पढ़ते हैं और छुट्टियों में घर जाने या पढ़ाई या इंटरशिप के लिए फ्लाइट से सफर का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। एयर इंडिया ने छात्रों के लिए एक विशेष स्टूडेंट प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों के बसे फेयर पर 10 फीसदी की आकर्षक छूट मिल रही है। यह ऑफर सिर्फ टिकट पर ही नहीं, बल्कि कई अन्य फायदों के साथ आता है, जिससे आपकी हवाई यात्रा और भी सुविधाजनक और किफायती बन जाएगी। इस सीमित अवधि के ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को 20 अक्टूबर तक टिकट बुक करना होगा। इस प्रोग्राम के तहत, छात्र सामान्य सामान के साथ 10 किलोग्राम अतिरिक्त बैगज ले जा सकते हैं और अपनी यात्रा की तारीख को एक बार बिना किसी शुल्क के बदलवा सकते हैं। वेबसाइट या ऐप के माध्यम से बुकिंग करने वाले छात्रों को कन्वीनियंस फीस पर 50 फीसदी की छूट भी मिलेगी। इसके अतिरिक्त, घरेलू बुकिंग पर यूपीआई से भुगतान करने और यूपीआईआरओएमओ कोड का उपयोग करने पर 1000 रुपये तक की अतिरिक्त छूट का लाभ भी उठया जा सकता है।

इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्र की उम्र यात्रा की तारीख पर कम से कम 12 वर्ष होनी चाहिए और वह किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में फुल-टाइम कोर्स का छात्र होना चाहिए। यात्रा के दौरान, छात्रों को अपना वैध आईडी कार्ड या एडमिशन लेटर साथ रखना अनिवार्य होगा। टिकट बुक करने के लिए, एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाएं, कंसेशन टाइप में स्टूडेंट विकल्प चुनें और अपनी बुकिंग पूरी करें।

### त्योहारी सीजन में रसोई गैस के दामों में राहत, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

देशभर के लाखों घरों के लिए राहत भरी खबर है। आगामी दशहरा, दीवाली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों से पहले 12 अक्टूबर को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे महीने के घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें आज भी पूर्ववत बनी हुई हैं।

राजधानी दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942.00 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,810.00 रुपये में उपलब्ध है। आर्थिक राजधानी मुंबई में घरेलू गैस सिलेंडर 912.50 रुपये का मिल रहा है, जबकि कोलकाता में यह 945.00 रुपये में उपलब्ध है। वहीं पटना जैसे कुछ शहरों में घरेलू सिलेंडर की कीमत 1,000.00 रुपये के पार (1,000.00 रुपये) बनी हुई है।

## शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 547, निफ्टी 157 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार टूटा है। वहीं अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी से भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इस चौतरफा दबाव के कारण घरेलू बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 547.65 अंक की गिरावट के

साथ ही 71,924.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई (निफ्टी) भी 157.10 अंक नीचे आकर 22,363.35 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की बड़ी कंपनियों में जमकर मुनाफावसूली दर्ज की गयी। आज एफएमसीजी और आईटी शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली रही। आईटीसी , टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर , लार्सन एंड टुब्रो , भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ), महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक के शेयर उछले। वहीं आज एशियाई बाजारों में भी गिराट रही।

## ईंधन की कीमतें स्थिर, शहरों में बरकरार अंतर

प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दाम लगभग अपरिवर्तित रहे

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के नए दाम सुबह 6 बजे अपडेट कर दिए हैं।

देशभर में ईंधन की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है, लेकिन स्थानीय करों और शुल्कों के कारण विभिन्न शहरों में दाम अलग-अलग बने हुए हैं।

घर से निकलने से पहले अपने शहर के ईंधन भाव जांच लेना हमेशा उचित रहता है। राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है।

दिल्ली में पेट्रोल 102.12 पये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई और ओण्डा जैसे शहरों में भी कीमतें लगभग अपरिवर्तित हैं, जहां पेट्रोल 107.77 रुपये (चेन्नई) और डीजल 99.55 रुपये (चेन्नई) है। सीएनजी की बात करें तो नई दिल्ली में यह 86.98 रुपये प्रति किलो उपलब्ध है, जबकि मुंबई में 88 रुपये और चेन्नई में 99.5 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई है। हैदराबाद में सीएनजी 112 रुपये और अहमदाबाद में 94.02 रुपये प्रति किलो है।

## हमारे शेयर दो! फिलपकार्ट के पूर्व कर्मचारियों का वॉलमार्ट को अल्टीमेटम

- 4 अरब डॉलर के शेयर विकल्प भुनाने की मांग

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फिलपकार्ट समूह के 1,000 से अधिक पूर्व कर्मचारियों ने अपनी मूल कंपनी वॉलमार्ट और फिलपकार्ट के निदेशक मंडल से सामूहिक अपील की है। उन्होंने करीब 4 अरब डॉलर मूल्य के अपने शेयर विकल्पों को भुनाने या बेचने की अनुमति मांगी है। यह मांग ऐसे समय में आई है जब फिलपकार्ट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ में लगातार देरी हो रही है और पूर्व

कर्मचारी खुद को वर्तमान कर्मियों

की तुलना में वंचित महसूस कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फिलपकार्ट के साथ-साथ मित्रा, क्लियरट्रिप और शांप्सी जैसी समूह की कंपनियों के पूर्व कर्मचारी इस अभियान में शामिल हैं। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं- पहला, मौजूदा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध शेरयों से पैसा हासिल करने का अवसर पूर्व कर्मचारियों तक भी बढ़ाया जाए। दूसरा, नौकरी छोड़ने के बाद शेयर विकल्प भुनाने की समय सीमा को

अगले भुगतान या खरीद अवसर तक बढ़ाया जाए ताकि वे अपने आप समाप्त न हो। तीसरा, वॉलमार्ट या फिलपकार्ट की ओर से एक तय संपर्क अधिकारी नियुक्त किया जाए और पूर्व कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। इस विवाद के पीछे फिलपकार्ट के आईपीओ को लेकर बनी अनिश्चितता एक बड़ी वजह रही। कंपनी ने अभी तक सार्वजनिक बाजार में उतरने की कोई निश्चित तारीख नहीं दी है। इससे पहले, मित्रा के पूर्व सीईओ

## सितंबर में म्यूचुअल फंड्स से 1.33 लाख करोड़ की निकासी

झीं टी में बढ़ता निवेश भी डेट फंड्स से भारी निकासी की भरपाई न कर सका

नई दिल्ली ।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर में भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में बड़ा बदलाव देखा गया। अगस्त में जहां 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश था, वहीं सितंबर में रिकॉर्ड 1.33 लाख करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से भारी फंड की निकासी थी, जिससे कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी प्रभावित हुई। सितंबर में डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से 1.83 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई, जो उद्योग के कुल नेगेटिव फंड फ्लो का मुख्य कारण रही। यह अगस्त में हुई 8,127 करोड़ रुपए की निकासी से काफी ज्यादा है। इसके चलते, इंडस्ट्री की नेट एसेट्स अंडर मैनेजमेंट अगस्त के 87.08 लाख करोड़ रुपए से घटकर सितंबर के अंत में 82.64 लाख करोड़ रुपए रह गई। लांकि, इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीमों में निवेशकों की रुचि बरकरार रही और इनमें शुद्ध निवेश अगस्त के

29,328 करोड़ रुपए सितंबर में 38,307 करोड़ रुपए हो गया। इक्विटी कैटेगरी में, स्मॉल-कैप फंड्स में सर्वाधिक 9,039 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि मिड-कैप, फ्लेक्स-कैप और डेटा भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में निवेश के अलग-अलग रुझानों को दर्शाता है, जहां डेट फंड्स से निकासी के बावजूद इक्विटी और गोल्ड में निवेश मजबूत बना हुआ है। आने वाले महीनों में इस ट्रेड पर नजर रहेगी।

## रुपया 91 पैसे उछलकर 95.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

12 अक्टूबर (भाषा) रुपया सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरूआती कारोबार में 91 पैसे मजबूत होकर 95.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुद्रा विनिमय बाजार में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। केंद्रीय बैंक ने शनिवार को कई उपायों की घोषणा की थी।

इनमें नामित बैंकों के जरिये तेल विपणन कंपनियों के लिए डॉलर की अलग व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव वाले कुछ सौदों की लागत बढ़ाना शामिल है। इन कदमों का उद्देश्य हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटाना और स्ट्रुंबाजी वाली कारोबारी स्थितियों पर अंकुश लगाना है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इन उपायों से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत डॉलर के दबाव के बावजूद भारतीय मुद्रा को संभलने में मदद मिलने की उम्मीद है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूत होकर 95.61 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती कारोबार में इसकी बहुत कुछ कम हुई और यह 95.80 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव के मुकाबले इसमें 91 पैसे की तेजी है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले यह 13 पैसे गिरकर डॉलर के मुकाबले 96.88 के रिकॉर्ड निचले बंद स्तर पर पहुंच गया था।

## सीमेंट की कीमतों में भारी उछाल संभव, घर बनाना होगा महंगा

अक्टूबर के मध्य से 10 से 15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ सकती हैं सीमेंट की कीमतें

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाने वालों और निर्माण उद्योग को जल्द ही महंगाई का एक और झटका लग सकता है। एमके रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बढ़ती इनपुट लागत और मजबूत मांग के दबाव में सीमेंट कंपनियां अक्टूबर के मध्य से प्रति बैग 10 से 15 रुपये की बढ़ोतरी कर सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 अक्टूबर से यह बढ़ोतरी प्रभावी होने की प्रबल संभावना है। कंपनियों के लिए ईंधन (पेटकोक, आयातित कोयला) और पैकेजिंग सामग्री (पॉलीप्रोप्राइलीन ग्रेन्यूल) की लागत पिछले 6-7 महीनों से लगातार बढ़ रही है। पेटकोक और आयातित कोयले के स्पांट भाव

पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः लगभग 20 फीसदी और 16 फीसदी अधिक हैं। पहली तिमाही में की गई मामूली मूल्य वृद्धि भी इन खर्चों की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं थी, जिसे जुलाई-अगस्त में मांससून के कारण आई कीमतों में गिरावट ने और बढ़ा दिया। हालांकि, मजबूत बिक्री (वॉल्यूम ऑफ़सेट) इस सेक्टर को सहारा दे रही है। गैर-व्यापारिक मांग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आगामी चुनाव से पहले की गतिविधियों के कारण खपत अच्छी बनी हुई है, और अगले डेढ़ साल तक इसमें तेजी बनी रहने की उम्मीद है। प्लांट विस्तार में देरी

## बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशन्स का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

- 558-586 प्रति शेयर मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली ।

इटली की बोनफिगिलयोली एसपीए की भारतीय अनुषंगी, बोनफिगिलयोली ट्रांसमिशन्स लिमिटेड ने अपने 2,534 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा और महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है। सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 19 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 558 रुपये से 586 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिसमें बड़े (एंकर) निवेशक 14 अक्टूबर को बोली लगा सकते हैं। यह निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जिसके तहत प्रवर्तक बोनफिगिलयोली एसपीए 4.32 करोड़ तक शेयर बेचेगी। इसका मतलब है कि आईपीओ से प्राप्त होने वाली पूरी 2,534 करोड़ रुपये की राशि कंपनी को न मिलकर सीधे शेयर बेचने वाले प्रवर्तक को मिलेगी। कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

## यूपीआई शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष बोझ- आईआईटी रिपोर्ट

व्यापारी अतिरिक्त लागत को कीमतों में कर सकते हैं समायोजित

नई दिल्ली ।

आईआईटी बॉम्बे की एक रिपोर्ट ने यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लिए प्रस्तावित संशोधित शुल्क ढांचे पर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस नए ढांचे से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा कीमतों में वृद्धि का बोझ पड़ सकता है, भले ही व्यापारियों को सीधे शुल्क लगाने से रोका गया हो। रिपोर्ट का अनुमान है कि मचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) स्ट्रक्चर से पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को सालाना करीब 18,000 करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है। हालांकि, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि व्यापारी इस अतिरिक्त खर्च को अपनी कीमतों में शामिल कर सकते हैं, जिससे 2,000 रुपए से कम के ट्रांजेक्शन करने वाले ग्राहकों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लागत उठानी पड़ेगी। आईआईटी रिपोर्ट ने मौजूदा ढांचे में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि अन्यथा यूपीआई लोगों का भरोसा खो सकता है। संशोधित ढांचे के तहत, 2,000 रुपए से अधिक के मचेंट पेमेंट पर 0.40 फीसदी



तक एमडीआर लेगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए होगी, जबकि 2,000 रुपए तक के भुगतान और पीपीटी ट्रांसफर मुफ्त रहेंगे। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि बैंकों को अपने बड़े नेट इंटेरेस्ट मार्जिन ( वित्त वर्ष 26 में 4.84 लाख करोड़ रुपए) से सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए योगदान देना चाहिए। यह भी मांग की गई है कि ऋण संग्रह जैसे लेनदेन को एमडीआर से छूट दी जाए। रिपोर्ट ने 50 करोड़ रुपए से अधिक के टर्नओवर वाले ऑनलाइन व्यापारियों पर ही शुल्क लगाने, एमडीआर को 40 रुपए तक सीमित करने और राजस्व को यूपीआई के विस्तार व सुरक्षा में लगाने का प्रस्ताव दिया है, ताकि डिजिटल भुगतान में ग्राहकों का हित सुरक्षित हो।

**कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं, पात्र लाभुकों को समय पर मिले योजनाओं का लाभ :उपायुक्त**

विभा संवाददाता

**पलामू :** जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, छात्रावास, आवासिय विद्यालय सहित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के कल्याण से जुड़ी योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जनजातीय आवास



न्याय महाअभियान के तहत मल्टी परपर्स सेंटर के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गयी। साइकिल वितरण योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त श्री शेखजाद ने निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कक्षा आठवीं के पात्र छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण की प्रक्रिया में

तेजी लायी जाये। उन्होंने शेष  
लाभकों को प्राथमिकता के आधार  
पर साइकिल उपलब्ध कराने की  
बात कही साथ ही वितरित  
साइकिलों के सुरक्षित रख-रखाव  
के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित  
करने का निर्देश दिया, ताकि वे  
खुले में पड़े रहने के कारण बारिश,  
धूप अथवा अन्य प्रतिकूल

परिस्थितियों से क्षतिग्रस्त न हों। छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीसी ने संबंधित परदाधिकारियों को आवेदनों के सत्यापन एवं भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के अनुषंग पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। इसके लिए लॉकत आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में धार्मिक स्थलों की चहारदीवारी निर्माण, आदिवासियों कला-संस्कृति भवन, छात्रावास, आवासीय विद्यालय समेत

विभाग की अन्य योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों को योजनाओं के पदाधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान करते हुए कार्यों को गति देने तथा निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश पालन प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत मल्टी पर्सपेक्टिव के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लंबित निर्माण कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित

समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने पर जोर दिया।  
उपायुक्त श्री शिखावती ने कहा कि कल्याण विभाग की योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं और विकास के अवसरों से जोड़ना है। इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारियों योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति गंभीर रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्यारेलाल सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

# संक्षिप्त खबरें

## महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पटना साहिब स्टेशन का किया निरीक्षण



**हाजीपुर(बिभा):** पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डीम्पी गंग ने सोमवार को पटना साहिब स्टेशन का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक द्वारा प्लेटफॉर्म सं. 01 का एक छोरे से दूसरी छोरे तक निरीक्षण किया गया तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सकुलेंटिंग प्लॉय, फुट ओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, पूछताछ काउंटर आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा तथा साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा राजीव कुमार उपस्थित थे।

आगरा कैंट-कोलकाता स्पेशल में बढ़ेंगे डिब्बे,  
यात्रियों को मिलेगी कन्फर्म सीट और राहत

## आसनसोल

(बिभा): त्योहारी  
सीजन में रेल  
यात्रियों की सुविधा  
और टिकटों की  
लंबी प्रतीक्षा सूची  
को देखते हुए  
रेलवे ने अहम



निर्णय लिया है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) द्वारा संचालित विशेष गाड़ियों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की घोषणा की गई है, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान अतिरिक्त सीटों उपलब्ध हो सकेंगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, गाड़ी संख्या 01911 (आगरा कैंट-कोलकाता स्पेशल) तथा गाड़ी संख्या 01912 (कोलकाता-आगरा कैंट स्पेशल) में डिब्बों की संख्या 19 से बढ़ाकर 21 कर दी गई है। दोनों ट्रेनों में दो-दो अतिरिक्त इंटीग्रेल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) कोच जोड़े गए हैं। संशोधित कोच संयोजन के तहत गाड़ी संख्या 01911 (आगरा कैंट-कोलकाता स्पेशल) में 15 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026 तक अतिरिक्त कोच की सुविधा मिलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 01912 (कोलकाता-आगरा कैंट स्पेशल) में यह व्यवस्था 16 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। रेलवे के इस कदम से दोनों दिशाओं में यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

धनबाद रेल मंडल में विशेष अभियान 6.0 के तहत गहन सफाई, अमृत संवाद के जरिए दिया स्वच्छता का संदेश



**धनबाद(बिभा):** पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के 12वें दिन स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और संस्थागत कार्यकुशलता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत रेल परिसरों की स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के दौरान रेल परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या से बचाव तथा जलनिकासी व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए नालियों की सघन सफाई कराई गई। इसके साथ ही लंबे समय से जमा पुराने कचरे और कबाड़ को चिह्नित कर उसके वैज्ञानिक व समुचित निस्तारण की कार्रवाई की गई, जिससे परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित रूप दिया जा सके। स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रेल कर्मचारियों और यात्रियों की सक्रिय सहभागिता के साथ अमृत संवादा का आयोजन भी हुआ। इस संवादा सत्र में स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ परितेश बनाए रखने में जनभागीदारी की अहम भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। रेल प्रशासन ने दोहराया कि धनबाद मंडल स्वच्छता को अपनी दैनिक कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विभा संवाददाता

**बासुकीनाथ (हुमका):** नगर पंचायत बासुकीनाथ की नवनिर्वाचित अध्यक्ष विष्णा देवी ने चुनावी वादों की धरातल पर उत्तारने की दिशा में ठोस पलट शुरू कर दी है। हाल ही में संपन्न हुई बोर्ड की बैठक में उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कुल 45 प्रस्ताव विदकन के पटल पर रखे। बैठक में अध्यक्ष के आह्वान पर सभी वार्डों पाषाणों ने भी अपने-अपने वार्ड की समस्याओं और प्राथमिकताओं को विस्तार से साझा किया।

अध्यक्ष विष्णा देवी ने बैठक में स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादे केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारा जाएगा। सभी पाषाणों के सहयोग से बासुकीनाथ को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।



इसके तहत उन्होंने हर महीने एक दिन दो से तीन घंटे का विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का भी प्रस्ताव रखा, जिसमें पंचायत कमी, प्राधिकारी, स्वच्छता पर्यवेक्षक और पार्षद मिलकर जन-जागरूकता फैलाएँ।

बैठक में स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 12 वार्डों के लिए 94 सफाई कर्मियों की व्यवस्था, कचरा गाड़ियाँ, 100 नए चापाकल, 25

हार्ड मास्ट लाइट, 1000 सोलर  
लाइट, अर्धगोमन वाहन और एक  
गौशाला निर्माण का प्रस्ताव लाया  
गया। इसके साथ ही क्षेत्र में महात्मा  
गांधी, फूलो-झांनो, स्वामी  
विवेकानंद और शहीद मंजीत झा की  
प्रतिमाएं स्थापित करने पर भी  
सहमति बनी।

पर्यटन और धार्मिक महत्व को ध्यान  
में रखते हुए वार्ड संख्या 10 स्थानों  
शिवगंगा के जल की स्वच्छ रखने  
पश्चिमी दिशा में शौचालय निर्माण

तथा दो मंजिला फिलर शेड बनाने की योजना रखी गई है। इस शेड के नीचे तल पर पंडा-पुरोहित, नाई व पूजा सामग्री विक्रेता बैठेंगे, जबकि उपरी तल श्रद्धालुओं के विश्राम और भजन-कीर्तन के लिए सुरक्षित रहेगा। वहीं बंद पड़ी मयूरक्षी योजना को पुनः चालू कर हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने, शिवगंगा का सौंदर्यीकरण नाने और नंदी चौक पर शौचालय निर्माण की बात चर्चा गई।

**राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप: उत्तर मध्य रेलवे की रमनदीप कौर ने 42 किमी रेस वॉक में जीता स्वर्ण पदक**

बिहान भारत

**प्रयागराज:** उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर), प्रयागराज मंडल की महिला एथलीट स्मनदीप कोर ने राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय रेलवे और पूरे रेल मंडल का नाम रोशन किया है। स्टी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्पोर्ट्स में 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप की 42 प्रतिस्पर्धी महिला रेलवे की 42 प्रतिस्पर्धी रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रयागराज के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश अग्रवाल ने रमनदीप कौर को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रमनदीप की



यह सफलता भारतीय रेलवे के लिए अत्यंत युवा का विषय है और यह अनेक युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्रेरणास्रोत बनेगी।

प्रयागराज मंडल के वाणिज्य विभाग में मुख्य टिकट परीक्षक (सीसीटीसी) के पद पर कार्यरत रमनदीप कौर ने 30 मई 2022 को रेलवे सेवा में योगदान दिया था। रेलवे वर्किंग के क्षेत्र में उनका ट्रेकिंग रिकॉर्ड बेहतरीन माना रहा है। वे वर्ष 2021 में तेलंगाना में 60वीं ओपन नेशनल चैंपियनशिप और 2022 में रॉजी में आयोजित 9वीं इंडियन ओपन रेल

वॉकिंग प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 61वीं व 62वीं नेशनल ओपन चैंपियनशिप में रजत, 12वीं इंडियन ओपन प्रतियोगिता में कांस्य और नई दिल्ली में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया था।

अखिल भारतीय स्तर पर अंतररेलवे प्रतियोगिताओं में भी उनका दबदबा रहा है। वर्ष 2026 में कोलकाता में आयोजित 91वीं अखिल भारतीय अंतररेलवे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वे पहले स्थान पर रही थीं। अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी रमनदीप ने वर्ष 2024 में तुर्किये के अंताल्या में आयोजित विश्व रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व किया था। निरंतर कड़े अभ्यास और अनुशासन के बल पर हासिल की गई उनकी यह ताजा जीत खेल जगत में उनके समर्पण का एक और प्रमाण है।

**बिभा संवाददाता**

**राँची:** मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित वेटलिफ्टिंग हॉल में अस्मिता वेटलिफ्टिंग सिटी टूर्नामेंट का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। प्रशस्ति स्तर पर महिला खेल प्रतियोगिताओं का पहचान और उन्हें खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में राँची की महिला रीट्रोत्थलकों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड वुशु एसोसिएशन के चेयरमैन चंचल भुषाचार्य और नेतृहट आवसिनी विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रसाद पासवान ने किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों के खेल भावना और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया वहीं समापन समारोह में मुख्य अतिथि आचार्यकुलम के प्रिंसिपल सुभाष कुमार और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता अमित चरण ने



विभिन्न भार वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पदक व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।  
ट्रान्सेट के सफल संचालन में तकनीकी अधिकारी प्रदीप चहल की मारकम, कुणाल दीप, पूनम मिश्रा, दीपक गोप, वासुदेव टोपाका आकाश उरांव तथा सहयोगी स्टाफ मुकेश कुमार महतो, शिवम कुमार हर्षित बागे, निकलेश लकड़ा और सुनिश शर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई।  
प्रतियोगिता के 45 किलो वर्ग में पर कुमारी ने प्रथम, अनू सिंह ने द्वितीय और मनीषा बिहारी ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया। 49 किलो वर्ग मीटर कुसुम कुमारी प्रथम, अंशु कुमारी द्वितीय व रिद्धि कुमारी तृतीय रहनीं। 53 किलो वर्ग मीटर में धनपती कुमारी विजेता बनीं, जबकि गीता कुमारी दूसरे और दिव्या कुमारी तीसरे स्थान पर रही। 57 किलो वर्ग मीटर स्मृति बेग ने पहला, बबिता कुमारी ने दूसरा और मानसी राज ने तीसरे स्थान हासिल किया। 61 किलो वर्ग मीटर में अंजलि कुमारी प्रथम व सुजन कुमारी द्वितीय रहनीं, जबकि 65 किलो वर्ग मीटर में प्राची पाण्डेय ने स्वयं और कुसुम कुमारी ने रजत पदक अपने नाम किया।

**आसनसोल रेल मंडल ने पहली छमाही में रचा इतिहास: माल लदान 10% बढ़ा, मालभाड़ा आय में 24.47% की भारी वृद्धि**

विद्वान् भारत

**आसनसोल:** देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाते हुए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहलू छमाही (अप्रैल से सितंबर 2026) के दौरान माल लदान, माल उतराई और राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। मंडल की सामान्य अवधि के 2,271.439 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,827.365 करोड़ रुपये की पहुंच बढ़ी है। 34.67 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्शाती है। मंडल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान कुल माल लदान 28.0248 मिलियन टन दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25.4822 मिलियन टन की तुलना में 9.98 प्रतिशत अधिक है। वहीं, माल उतराई में भी 1.01 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है और 28.67 मिलियन टन से बढ़कर 28.96 मिलियन टन पर पहुंच

गई।  
पूर्वी भारत के प्रमुख औद्योगिक एवं  
खनन केन्द्र में रणनीतिक रूप से स्थित  
आसनसोल रेल मंडल प्रथम बंगाल  
झारखंड और बिहार के प्रमुख हिस्सों  
को मजबूत रेल संपर्क प्रदान करता है।  
मंडल का, उत्पादन कोयला, इस्पात  
सोमेट, खाद्यान्न, पथर और उर्वरक  
सीमा आवस्यक सामग्रियों की दुकान  
कर उत्पादन केन्द्रों को कारखानों  
बाजारों और कृषि क्षेत्रों से सीधे जोड़ता  
है।  
माल दुलाई में यह उछाल क्षेत्रीय व  
राष्ट्रीय आर्थिक गतिविधियों के  
विस्तार का सीधा संकेत है। इससे न केवल  
ताप विद्युत संत्रंनों, बुनियादी सं  
कांच परियोजनाओं और कृषि क्षेत्र के  
समय पर कच्चे माल की आपूर्ति  
सुनिश्चित हुई है, बल्कि लॉजिस्टिक्स  
भंडारण और स्थानीय रोजगार को भी  
नई गति मिली है। पहली छमाही के ये  
आंकड़े क्षेत्रीय प्रतिनिधि पूर्व रेलवे के  
योगदान को और पुष्टा करते हैं।